हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 218, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 9 फरवरी, 2024 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

ट्रेड शो के जरिए दुनिया ने देखी यूपी की क्षमता, अब प्रदेश बीमारू नहीं : योगी

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के 'कर्टेन रेजर सेरेमनी' में बोले मुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य बनाना एक राजनीतिक मानसिकता थी, जिसे खत्म करके हमने इसे देश की दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनाया है। प्रदेश में परंपरागत कारीगर, शिल्पकार और युवा उद्यमी जो पहले निराश था आज उसके चेहरे पर उत्साह दिखता है। उत्तर प्रदेश की ओडीओपी योजना आज आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बन चुकी है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लोकभवन में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण के कर्टेन रेजर सेरेमनी के आयोजन के दौरान कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने औद्योगिक आस्थानों और ओडीओपी सीएफसी की 13 परियोजनाओं का शुभारंभ किया। साथ ही विभिन्न जनपदों के परंपरागत हस्तशिल्पियों और कारीगरों को सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में सीएम योगी ने एमएसएमई विभाग को धन्यवाद देते हुए प्रदेश के नव उद्यमियों और सम्मानित किये गये कारीगरों और हस्तशिल्पियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी में बीते

वर्ष ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन हुआ था, जिसकी सफलता ने नया कीर्तिमान स्थापित किया। इसने यूपी के पोटेंशियल को प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान किया। पहली बार 500 से अधिक विदेश बायर्स, 70 हजार से लोग उसमें सहभागी बने और 3 लाख लोगों का फुट फॉल हुआ। उन्होंने बताया कि फिर से 25 से 29 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण का आयोजन होगा। इसके जरिए एक बार फिर यूपी अपनी क्षमता का प्रदर्शन वैश्विक समाज के सामने करने जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी के हस्तशिल्पी, कारीगर और युवा उद्यमियों के पास क्षमता थी लेकिन उन्हें शासन के प्रोत्साहन और प्लेटफार्म की आवश्यकता थी। प्रदेश में हजारों साल से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग की अनेक इकाइयां मौजूद थीं, लेकिन लगातार सरकारी उपेक्षा और इंस्पेक्टर राज के कारण इसके उद्यमी त्रस्त और पलायन को मजबूर थे। 2018 में हमने ओडीओपी योजना को शुरू किया गया, जिसके बाद परंपरागत उद्यम को मार्केट देने, टेक्नोलॉजी प्रदान करने का कार्य शुरू हुआ। परिणाम स्वरूप आज यूपी की ओडीओपी देश में यूनिक योजना बन चुकी है। ओडीओपी आज आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बन चुकी है, जिसपर यूपी को गौरव है। सीएम योगी ने कहा कि हमारा युवा उद्यमी जो पहले हतोत्साहित था वो आज उत्साहित है। आज उनके चेहरे पर चमक दिखती है। उन्हें विश्वास है कि उनका प्रोडक्ट वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है। हमारा एक्सपोर्ट 86 हजार करोड़ से बढ़कर 2 लाख करोड़ का हो गया। इसने रोजगार के अवसर सृजित किये हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि युवा उद्यमियों को बूस्टअप करने के लिए हमने इस बजट में सीएम युवा उद्यमी योजना शुरू की है, जिसके अंतर्गत ब्याज मुक्त ऋण स्कीम प्रदान की जा रही है। सीएम ने बताया कि 19 फरवरी को प्रधानमंत्री यूपी के चतुर्थ ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर एक ही दिन में 10 लाख करोड़ की योजनाओं की आधारशिला रखी जाएगी। इससे 33 लाख नौजवानों को सीधे सीधे नौकरी मिलेगी। ये उद्योग जहां भी लगेंगे वहां सड़क बनेगी, बिजली मिलेगी, पेयजल की व्यवस्था होगी। नये रोजगार सृजित होंगे। आवासीय सुविधाएं भी विकसित होंगी। यूपी में पहले ये सभी क्लस्टर समाप्त हो रहे थे। आज प्रदेश में पैकेजिंग संस्थान स्थापित हो रहे हैं।

'पीएम मोदी जन्म से पिछड़ी जाति से नहीं हैं', राहुल गांधी का आरोप

नई दिल्ली। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि 'पीएम मोदी जन्म से पिछड़ी जाति से नहीं हैं। वे गुजरात की तेली जाति में पैदा हुए थे। उस समुदाय को साल 2000 में भाजपा ने ओबीसी में शामिल किया। वे (पीएम मोदी) सामान्य वर्ग में पैदा हुए थे...वे कभी भी जातिगत जनगणना को नहीं कराएंगे क्योंकि वे ओबीसी में पैदा नहीं हुए थे।' राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी खुद को ओबीसी बताकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिलहाल ओडिशा के झारसुगडा में है। वहीं पर लोगों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने उक्त आरोप लगाए। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी खुली जीप में झारसुगडा के किसान चौक पहुंचे, जहां कांग्रेस नेता अजोय कुमार और ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरत पटनायक भी उनके साथ रहे। राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा बुधवार को ओडिशा में दाखिल हुई थी। ओडिशा में राहुल गांधी कई जनसभाओं को संबोधित करेंगे। झारसुगडा से भारत जोड़ो न्याय यात्रा छत्तीसगढ़ में दाखिल हो जाएगी।

किसानों को पुलिस ने नोएडा में रोका, दिल्ली कूच करने की थी तैयारी, बॉर्डर पर लगा लंबा जाम

नोएडा। मुआवजा संबंधी मांगों को लेकर नोएडा प्राधिकरण के गेट पर धरना दे रहे किसान बृहस्पतिवार को दिल्ली कूच किया। इसे देखते हुए यातायात पुलिस ने सेक्टर-छह उद्योग मार्ग पर वाहनों की आवाजाही आंशिक रूप प्रतिबंधित कर दी गई। किसानों के विरोध मार्च को देखते हुए दिल्ली-नोएडा, चिल्ला बॉर्डर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं, कई किसान नेताओं को उनके आवास पर ही नजर बंद किया गया है। पुलिस रोकने में जुटी है। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर यूपी के किसानों ने दिल्ली-नोएडा चिल्ला बॉर्डर से संसद की ओर मार्च किया। नोएडा से दिल्ली जाने वाला रुट किसानों ने जाम कर दिया है। महामाया फ्लाईओवर के नीचे हजारों किसान इकट्ठा हुए। दिल्ली जाने के लिए हजारों किसान कोशिश में लगे हैं। पुलिस ने प्रदर्शनकारी किसानों को रोका है। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के राकेश टिकैत भी पहुंचे हैं। वहीं, नोएडा और ग्रेनो में आज से धारा-144 लागू कर दी गई है। दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर जाम की स्थिति पैदा हो गई है। नोएडा और दिल्ली में कई मार्गों पर यातायात प्रभावित हो रहा है। जिसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डीआइजी, अपर. सीपी (एल एंड ओ), शिवहरि मीना ने कहा, 'धारा 144 लागू कर दी गई है और सभी सीमाओं को 24 घंटे के लिए सील कर दिया गया है। सभी सीमाओं पर भारी सुरक्षा तैनाती की गई है। लोगों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए व्यवस्था की गई है। सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। हम किसानों से बातचीत कर रहे हैं, सभी वाहनों की जांच की जा रही है।' बता दें कि नोएडा में उद्योग मार्ग के अलावा रजनीगंधा से सेक्टर-15 मेट्रो स्टेशन, चिल्ला से सेक्टर-15 मेट्रो स्टेशन, न्यू अशोक नगर, उद्योग मार्ग समेत अन्य मार्गों पर कुछ देर के लिए यातायात डायवर्जन लागू रहेगा। डीसीपी ट्रैफिक अनिल कुमार यादव के मुताबिक किसानों के दिल्ली कूच को देखते हुए गोलचक्कर चौक सेक्टर-15 से सेक्टर-6 पुलिस चौकी, संदीप पेपर मिल चौक से हरौला चौक तक मार्ग पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा गोलचक्कर चौक सेक्टर-15, रजनीगंधा चौक, सेक्ट- 6 पुलिस चौकी चौक, झुंडपुरा चौक, सेक्टर 8,10,11,12 चौक, हरौला चौक से आवश्यकतानुसार यातायात का डायवर्जन किया। वाहन चालक यातायात असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर सकेंगे। गौतमबुद्ध नगर में किसानों के चार धरने चल रहे हैं। अंसल बिल्डर के खिलाफ जय जवान जय किसान संगठन धरने पर है वहीं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बाहर अखिल भारतीय किसान सभा की ओर से धरना जारी है। एनटीपीसी मुख्यालय सेक्टर-24 नोएडा और सेक्टर-6 पर भारतीय किसान परिषद के नेतृत्व में धरना जारी है। किसान संगठनों का कहना है कि दिल्ली कूच में बड़ी तादाद में महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल होंगे।

आरबीआई एमपीसी ने रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति मुंबई में मंगलवार को शुरू हुई तीन दिवसीय बैठक के बाद 8 फरवरी को रेपो दरों पर अपने फैसले का खुलासा किया। आज सुबह 10 बजे आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास एमपीसी के फैसले का ऐलान किया। RBI MPC ने फरवरी 2024 तक लगातार छठी बार रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा है। बेंचमार्क ब्याज दर को पिछली बार फरवरी 2023 में बढ़ाया गया था, उस समय इसे 6.25 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्तमान 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था। इससे पहले, इसने मई 2022 से फरवरी 2023 तक रेपो दर में 250 आधार अंकों की वृद्धि की गई थी।

वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने बेहतर प्रदर्शन कियाः आरबीआई गवर्नर- आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद अपने संबोधन में बताया कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन किया है। महंगाई में कमी आती दिख रही है। उन्होंने कहा कि इस बार की बैठक में विस्तार से चर्चा के बाद एमपीसी ने फैसला किया है कि रेपो रेट को अभी 6.5% पर ही स्थिर रखा जाए। छह में से पांच सदस्य इसके समर्थन में रहे।

आरबीआई गवर्नर बोले- भारत का फाइनेंशियल सेक्टर बहुत मजबूत- एमपीसी की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि मैं सबको आश्वासन देना चाहता हूं। भारत का फाइनेंशियल सेक्टर बहुत मजबूत हैं। बैंकों और एनबीएफसी के प्रदर्शन व आंकड़े मजबूत हैं। वित्तीय संस्थानों के विकास दर में मोमेंटम है। हम एक नियामक के तौर पर अपना काम करते रहते हैं। हमारी कोशिश रहती है कि हम वित्तीय संस्थानों के साथ सीधे संवाद में रहे। हम उनको बताते हैं कि कहां खामियां हैं, कहां-कहां दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया गया है। हम उन्हें समय देकर खामियों को सही करने के लिए कहते हैं। जहां समय पर कदम नहीं उठाया जाता है, वहां हमें आम लोगों के हित में, ग्राहकों और जमाकताओं के हित में और वित्तीय संस्थानों के हित में कदम उठाना पड़ता है।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने प्राण प्रतिष्ठा पर की टिप्पणी तो भाजपाइयों ने किया हंगामा, सदन में हुई नोकझोंक

लखनऊ। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विधान परिषद में सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर टिप्पणी की तो भाजपा के सदस्यों ने जमकर हंगामा किया। वे सदन की कार्यवाही रोककर राम मंदिर पर चर्चा कराने की मांग करने लगे। स्वामी प्रसाद ने कहा कि भाजपा सरकार ऐसा प्रचारित कर रही है, जैसे राम पहले थे ही नहीं। जबकि सच्चाई यह है कि राम की हजारों साल से पूजा होती रही है। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम भाजपा का था। इसकी वजह से लाखों लोगों को वहां जाने से रोक दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राम पहले से मौजूद हैं तो अरबों रुपया खर्च करने की क्या जरूरत थी? इस पर भाजपा सदस्यों ने विरोध जताया। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ सपा सदस्य को हाईकोर्ट जाना चाहिए। वे राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा विषय पर चर्चा कराने की मांग करने लगे। हालांकि पीठ ने उनकी इस मांग को अस्वीकार कर दिया। बाद में

स्वामी प्रसाद ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग में अभी तक अध्यक्ष का चयन नहीं हो पाया है। इसी तरह प्रदेश के महाविद्यालयों, मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा संस्थानों में चल रही भर्ती में आरक्षण की अनदेखी की जा रही है।

म्यांमार के साथ 'फ्री मूवमेंट रिजीम' खत्म करेगी सरकार

नई दिल्ली। भारत सरकार म्यांमार के साथ फ्री मूवमेंट रिजीम (एफएमआर) को रद्द कर सकती है। गृह मंत्रालय ने इसकी सिफारिश की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर लिखा 'केंद्रीय गृह मंत्रालय ने फैसला किया है कि भारत और म्यांमार के बीच फ्री मूवमेंट रिजीम को खत्म कर दिया जाए, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित हो और भारत के म्यांमार से लगते उत्तर पूर्वी राज्यों में जनसांख्यिकी में हो रहे बदलावों को भी नियंत्रित रखा जाए। विदेश मंत्रालय फ्री मूवमेंट रिजीम को खत्म करने की प्रक्रिया कर रहा है, लेकिन गृह मंत्रालय ने तुरंत इसे खत्म करने की सिफारिश की है।' साल 1826 तक उत्तर पूर्व के कई राज्य म्यांमार, उस वक्त के बर्मा के अधीन थे। साल 1824 में अंग्रेजों और बर्मा के बीच युद्ध हुआ और युद्ध के बाद साल 1826 में एक संधि हुई। इस संधि के तहत उत्तर पूर्व के राज्य अस्तित्व में आए और भारत और म्यांमार के बीच सीमा बनी। भारत और म्यांमार के बीच सीमा का निर्धारण तो हो गया, लेकिन उत्तर पूर्व में रहने वाली कई जनजातियों और म्यांमार की जनजातियों में आज तक संबंध हैं। यही वजह है कि साल 2018 में भारत सरकार ने म्यांमार के साथ फ्री मूवमेंट रिजीम समझौता लागू किया, जिसके तहत दोनों के नागरिक एक दूसरे की सीमा में बिना किसी पासपोर्ट या वीजा के 16 किलोमीटर तक की सीमा में आ-जा सकती हैं। फ्री मूवमेंट रिजीम को लोगों की भलाई के लिए लागू किया गया था, लेकिन इसकी आड़ में उग्रवादी और घुसपैठिए भारतीय सीमा में दाखिल हो रहे हैं। साथ ही म्यांमार में सैन्य तख्ता पलट के बाद हजारों की संख्या में शरणार्थी म्यांमार से भागकर भारत पहुंचे हैं। ड्रग तस्करी और हथियारों की सप्लाई भी म्यांमार सीमा से हो रही है। यही वजह है कि सरकार ने फ्री मूवमेंट रिजीम को रद्द करने का फैसला किया है। म्यांमार के साथ फ्री मूवमेंट रिजीम खत्म करने के गृह मंत्रालय के फैसले के लिए मणिपुर सीएम एन बीरेन सिंह ने गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद दिया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मणिपुर सीएम ने लिखा 'प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का बहुत आभारी है, जो हमारी सीमाओं की सुरक्षा के लिए समर्पित हैं। भारत और म्यांमार के बीच एफएमआर को खत्म करने का फैसला हमारे देश के उत्तर पूर्वी राज्यों की आंतरिक सुरक्षा और जनसांख्यिकी के लिए बेहद अहम है।' सीएम ने लिखा 'अवैध तस्करी और आंतरिक सुरक्षा को मजूबत करने की दिशा में ये एक और ऐतिहासिक फैसला है।'

भाजपा के साथ नई सियासी पारी शुरू करेंगे आचार्य कृष्णम! बोले- जैसा भगवान का आदेश होगा; वैसा फैसला लेंगे

संभल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और श्री कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम का भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मिलना और शिलान्यास समारोह में न्योता देना सियासी हलचल बढ़ा रहा है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि श्री कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह के मौके पर आचार्य प्रमोद कृष्णम भाजपा के साथ नई सियासी पारी शुरू कर सकते हैं। भाजपा में शामिल होने के सवाल पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जैसा कल्कि भगवान का आदेश होगा, वैसा निर्णय लिया जाएगा। कुछ दिन पहले आचार्य प्रमोद कृष्णम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिल्ली में श्री कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। उसके बाद आचार्य प्रमोद कृष्णम ने सीएम योगी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर उन्हें भी न्योता दिया। साथ ही उन्होंने इंडी गठबंधन पर निशाना साधा। इसके बाद से उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें तेज हो गईं। अब प्रधानमंत्री का कार्यक्रम में आना तय हो चुका है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि आचार्य प्रमोद कृष्णम प्रधानमंत्री के सामने ही भाजपाई हो सकते हैं। इस बारे में जब आचार्य प्रमोद कृष्णम से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि श्री कल्कि धाम का शिलान्यास समारोह निश्चित रूप से धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन है। कोई भी यदि इस आयोजन को राजनीतिक चश्मे से देखने का प्रयास कर रहा है तो यह उसकी समझ है। कहा कि कांग्रेस को छोड़ने या दूसरी पार्टी में शामिल होने का सवाल है तो इस पर कुछ नहीं कर सकता। आचार्य प्रमोद कृष्णम 2019 के लोकसभा चुनाव में लखनऊ सीट से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सामने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े थे। हालांकि, इसमें उन्हें हार मिली थी और राजनाथ सिंह बड़े अंतर से चुनाव जीते थे। प्रमोद कृष्णम को करीब दो लाख वोट मिले थे। कई मौकों पर आचार्य प्रमोद कृष्णम भाजपा की जमकर आलोचना कर चुके हैं, लेकिन बीते एक साल से वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसलों की प्रशंसा कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मनमोहन सिंह की जमकर तारीफ की, कांग्रेस के 'ब्लैक पेपर' को बताया 'काला टीका'

नई दिल्ली। राज्यसभा में कई सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। जिन सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है, उनमें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी शामिल हैं। राज्यसभा से रिटायर हो रहे सदस्यों के लिए आज राज्यसभा में विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी भी राज्यसभा पहुंचे। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की जमकर तारीफ की।

प्रधानमंत्री ने मनमोहन सिंह की तारीफ की- प्रधानमंत्री ने कहा कि 'मुझे याद है जब वोटिंग के दौरान, ये तय था कि सत्ता पक्ष जीतेगा फिर भी डॉ. मनमोहन सिंह व्हीलचेयर पर सदन में आए और अपना वोट दिया। ये अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सतर्कता का उदाहरण है। सवाल ये नहीं है कि वो किस को ताकत देने आए थे। मैं मानता हूं कि वो लोकतंत्र को ताकत देने आए थे।' मनमोहन सिंह छह बार के सांसद हैं और वे साल 2004-2014 तक देश के 13वें प्रधानमंत्री रहे। पीवी नरसिम्हा की सरकार में मनमोहन सिंह वित्त मंत्री रहे थे और उन्हीं के कार्यकाल के दौरान देश की अर्थव्यवस्था में उदारीकरण का दौर शुरू हुआ।

कांग्रेस के ब्लैक पेपर को बताया 'काला टीका' बताया- कांग्रेस ने सरकार के श्वेत पत्र के जवाब में ब्लैक पेपर लाने का एलान किया है। इस पर चुटकी लेते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कांग्रेस का ब्लैक पेपर उनकी सरकार द्वारा किए गए अच्छे कामों के लिए काला टीका है। कुछ विपक्षी सदस्यों के बांह पर काली पट्टी बांधकर आने पर प्रधानमंत्री ने कहा हमने देखा कि राज्यसभा में कुछ सदस्य काले कपड़े पहनकर आए हैं और फैशन परेड चल रही है। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा से रिटायर हो रहे सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई पीढ़ी इनके अनुभव से कुछ सीख लेगी। राज्यसभा से फरवरी से मई के बीच में 68 सदस्य अपना कार्यकाल पूरा कर रिटायर हो जाएंगे।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर पशुओं से लदा ट्रक पलटा, 5 की मौत और 13 गंभीर

सुलतानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सुबह पशुओं से लदा ट्रक असंतुलित होकर पलट गया, जिसमें लदे पांच गोवंशीय पशुओं की ट्रक के नीचे दबने से मौत हो गई और 13 गम्भीर रूप से जख्मी हैं। रेस्क्यू के दौरान एक सांड सिक्सलेन से नीचे उतर गांव की तरफ भाग निकला। ट्रक पलटते ही चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थानीय पुलिस को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मौके पर मौजूद तहसीलदार ने चोटिल पशुओं को गोआश्रय स्थल भेजा। ट्रक बी आर 44एफ1954 लखनऊ की तरफ से बलिया की तरफ जा रहा था, जब वह सुबह लगभग 8:00 बजे धनपतगंज क्षेत्र के माइल स्टोन 114 टीकर गांव के निकट पहुंचा तभी ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और असंतुलित होकर मिडिल डिवाइड पर चढ़कर पलट गया। ट्रक के अंदर कुल 18 जानवर लदे थे। ट्रक पलटते ही चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस और यूपीडा कर्मियों ने ट्रक के अंदर फंसे जानवरों को बाहर निकाल जिसमें पांच मृत पाए गए। 13 गंभीर रूप से जख्मी मिले। प्रथम दृष्टया लग रहा है कि यह पशु तस्करी से जुड़ा मामला है। इस

बाबत मौके पर मौजूद पुलिस क्षेत्राधिकारी रमेश से जानकारी चाही गई तो उन्होंने कहा कि अभी कुछ कह पाना सम्भव नहीं है। ट्रक नंबर बस्तर जिले का है। जांच के बाद स्पष्ट होगा तो वहीं मौके पर मौजूद एसडीम विदुषी सिंह ने बताया कि जीवित बचे चोटिल पशुओं का उपचार कराते गो आश्रय केंद्र भेजा जा रहा है।

संपादकीय

स्वावलंबी लखपति दीदी

आजादी के बाद भी देश के कार्यशील श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी निराशाजनक ही रही है। यूं तो परिवार में महिलाओं के योगदान का मूल्यांकन किसी पैमाने से संभव नहीं है,लेकिन अब महिलाएं घर-गृहस्थी को संबल देने के अलावा तमाम अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। दरअसल, जब भी महिलाओं की तरक्की की बात होती है, तो जो समाज के उदाहरण दिये जाते हैं, वे महज प्रतीकात्मक होते हैं। वे उच्च वर्ग या मध्यम वर्ग के प्रतिनिधि चेहरे होते हैं। जमीनी हकीकत बेहद विषमताओं से भरी है। जहां आम स्त्रियों के लिये लैंगिक भेदभाव के चलते अनुकूल कार्य परिस्थितियां उपलब्ध नहीं हैं। उनको न्यायसंगत मेहनताना भी नहीं मिलता है। इसके बावजूद व्यक्तिगत व स्वयं सहायता समूहों की तरफ से उत्साहवर्धक शुरूआत हुई है। सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो महिला श्रम बल की भागीदारी में वृद्धि हुई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट 2022-23 के अनुसार वर्ष 2021-22 में राष्ट्रीय श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी 32.8 फीसदी थी, जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 37 फीसदी हो गई है। निश्चिय रूप से 4.2 फीसदी की वृद्धि उत्साहजनक है। हाल ही में अंतरिम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उत्साहवर्धक जानकारी दी कि देश में एक करोड़ कर्मशील महिलाएं लखपति बन चुकी हैं, अब तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। दरअसल, लखपति दीदी योजना का मकसद साधनविहीन महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिये, उन्हें स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल करके आय अर्जन के योग्य बनाना है। उन्हें अपना बिजनेस शुरू करने के लिये प्रेरित किया जाता है। स्वयं सहायता समूहों के साथ जुड़कर इस योजना का लाभ उठाया जा सकता है। महिलाएं अपने निकटवर्ती आंगनवाड़ी केंद्र में से इस बाबत सूचना प्राप्त कर सकती हैं। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें ड्रोन संचालन, कृषि उत्पादों के बाजारीकरण तथा एलईडी बल्ब बनाने आदि का प्रशिक्षण देकर अपना काम शुरू करके आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास होता है। हाल के अंतरिम बजट में वित्त मंत्री ने तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य की बात कही। निश्चित रूप से महिलाएं जिस तरह ईमानदारी, प्रतिबद्धता तथा जीवटता के साथ काम करती हैं उससे लगता है कि देश की महिलाओं की भागीदारी से अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सकेगी। निस्संदेह जीवन में सुगमता व उद्यमशीलता से आत्मनिर्भर हुई महिलाओं का आत्मसम्मान भी बढ़ेगा। वित्त मंत्री ने यह भी बताया था कि मुद्रा योजना के तहत महिलाओं को तीस करोड़ रुपये के ऋण प्रदान किये गये। इन आंकड़ों को कार्यक्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के रूप में भी देखा जाना चाहिए। निस्संदेह, मोदी सरकार ने महिलाओं की स्थिति सुधारने से जुड़े कार्यक्रमों को खासी तवज्जो दी है। लोकसभा व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिये एक तिहाई सीटें आरक्षित करके केंद्र ने महिलाओं के उत्थान को प्राथमिकता बनाकर उनके उत्थान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दशार्यी है। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के नाम या साझे मालिक के रूप में सत्तर फीसदी मकान उपलब्ध कराकर नारी शक्ति को सम्मान-भरोसा व आर्थिक ताकत दी है। जब भी प्रधानमंत्री देश में सिर्फ चार जातियों के उत्थान की बात गरीब, किसान, युवा व महिला के रूप में करते हैं तो महिलाएं उनकी प्राथमिकता में होती हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिये चलायी जा रही योजनाओं में लखपति दीदी योजना महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इस योजना से नौ करोड़ महिलाओं के जीवन में बदलाव आने की बात कही। निस्संदेह, स्वयं सहायता समूहों के जरिये महिलाएं श्रृंखलाबद्ध रूप से संस्थाओं से जुड़ जाती हैं। वे स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे माल लेकर उन्हें बाजारी उत्पाद बनाने के क्रम में अनेक महिलाओं को अपने साथ शामिल कर लेती हैं। दरअसल, बहुत सारी महिलाएं घर से काम करने को सुविधाजनक मानती हैं। स्थानीय कच्ची सामग्री व अन्य संसाधन उनकी भूमिका को बढ़ा देते हैं। सबसे महत्वपूर्ण है कि उन्हें अपना घर चलाने में आर्थिक स्वावलंबन मिलता है। जरूरत उन्हें लैंगिक भेदभाव से मुक्त करने की भी है।

पटाखा कारखानों में आए दिन हो रहे हादसे, रोकने के लिए सरकार के पास पुख्ता इंतजाम नहीं

पटाखा निर्माण सदा जोखिमभरा काम होता है। ऐसी जगहों पर काम करने वालों के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की दरकार होती है। मगर हमारे यहां अधिकतर पटाखा कारखाने अव्वल तो अवैध रूप से चलाए जाते हैं और जो पंजीकृत हैं, उनमें भी सुरक्षा के भरोसेमंद उपाय नहीं किए जाते। यही वजह है कि छोटी-सी चिनगारी भी उन जगहों पर बड़े हादसे का रूप ले लेती है। मध्य प्रदेश के हरदा में पटाखा कारखाने में लगी आग इसका ताजा उदाहरण है। इस घटना में ग्यारह लोगों की मौत हो गई और एक सौ चौहत्तर लोग घायल हो गए। सरकार ने घायलों के इलाज का प्रबंध कराया और मृतकों के परिजनों को मुआवजे की घोषणा करके जांच का आदेश दे दिया, जैसा कि ऐसे हर हादसे के वक्त देखा जाता है। मगर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि पटाखा कारखानों में होने वाले ऐसे हादसों को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम कब होंगे। पहले दिवाली के समय किसी लापरवाही के चलते ऐसे हादसे हो जाया करते थे, अब साल भर ऐसी घटनाओं की खबरें आती हैं। दरअसल, पटाखा बनाने का कारोबार काफी बड़े पैमाने पर होने लगा है, इसलिए कि इसकी खपत वर्ष भर बनी रहती है। शादी-ब्याह से लेकर अनेक पर्व-त्योहारों, क्रिकेट आदि के खेलों के समय भी पटाखे फोड़ने और आतिशबाजी का चलन बढ़ता गया है। पहले कुछ जगहों पर पटाखे बनते थे, जहां से पूरे देश में उनका वितरण हुआ करता था, अब हर राज्य में पटाखों के कारखाने खुल गए हैं। पिछले वर्ष बिहार में पटाखा कारखाने में भयावह विस्फोट हुआ था, जिससे आसपास के मकान भी ढह गए। वह कारखाना थाने से सटी जगह पर अवैध रूप से चलाया जा रहा था। कायदे से पटाखे बनाने के लिए लाइसेंस लेना जरूरी होता है, मगर ज्यादातर मामलों में देखा गया है कि चोरी-छिपे पटाखे बनाए जाते हैं। उनके लिए इतने बड़े पैमाने पर बारूद और दूसरी सामग्री किस प्रकार उपलब्ध होती है, इस पर शायद नजर नहीं रखी जाती। दिवाली के मौके पर पटाखे से फैलने वाले प्रदूषण को लेकर चिंता जताई जाती है, मगर बाकी समय इसे लेकर प्रायः चुप्पी ही बनी रहती है। जब तक पटाखा निर्माण को लेकर कोई व्यावहारिक उपाय नहीं किया जाता, ऐसे हादसों पर अंकुश लगाना कठिन बना रहेगा।

आरएलडी ने पलटी मारने के संकेत देकर उत्तर प्रदेश में इंडी गठबंधन की रीढ़ तोड़ दी है

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में सियासत का पलड़ा भारतीय जनता पार्टी की तरफ झुकता नजर आ रहा है। यूपी का हाल यह है कि यहां बीजेपी को छोड़कर कोई भी दल लोकसभा चुनाव को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहा है। विपक्षी दलों के नेता बीजेपी की बिछाई बिसात में फंसते जा रहे हैं। हालत यह है कि चुनाव सिर पर हैं, लेकिन कांग्रेस और बसपा चुनावी मैदान से नदारद हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव जमीनी हकीकत से दूर तंज कसने की राजनीति तक सिमट कर रह गये हैं। इंडी गठबंधन में दरार ही दरार नजर आ रही है। इसीलिए तो राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के नेता जयंत चौधरी भी इंडी से किनारा करते नजर आ रहे हैं। रालोद के विश्वास का हाल यह है कि उन्हें समझौते के तहत सपा से मिली सात सीटों की जगह बीजेपी से मिलने वाली चार सीटें ज्यादा लुभा रही हैं। हालाकि जयंत चौधरी और बीजेपी की तरफ से इसको लेकर कोई बयान नहीं आया है, परंतु दोनों दलों ने इन खबरों का खंडन भी नहीं किया है। हां, समाजवादी पार्टी जरूर सफाई दे रही है कि उसके और रालोद का गठबंधन अटूट है। भारतीय जनता पार्टी ने 4 लोकसभा सीटें राष्ट्रीय लोकदल को ऑफर की हैं। इनमें कैराना, मथुरा, बागपत और अमरोहा के नाम शामिल हैं। राष्ट्रीय लोक दल इंडी गठबंधन के उन 28 दलों में शामिल था जो लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हराने के लिए तैयार था, लेकिन चुनाव की घोषणा भी नहीं हो पाई कि उससे पहले ही आरएलडी मुखिया जयंत चौधरी ने पलटी मार दी। उत्तर प्रदेश में साल 2022 का विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ने वाला राष्ट्रीय लोक दल उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी से भी नाता तोड़ सकता है।

आरएलडी के एक बड़े नेता ने जानकारी दी कि आरएलडी और बीजेपी का गठबंधन लगभग तय हो गया है। चार से पांच सीटें हर हाल में बीजेपी आरएलडी को दे रही है। हालांकि हमारी सात सीटों की मांग है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी की मीटिंग भाजपा नेताओं के साथ जारी है। इस संबंध में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जयंत चौधरी बहुत पढ़े-लिखे नेता हैं। वह प्रदेश की खुशहाली और किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए बीजेपी के साथ नहीं जायेंगे। वहीं समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने इन खबरों को पूरी तरह से अफवाह बताया और कहा कि सपा-रालोद का संबंध अटूट है। कुल मिलाकर एक ओर प्रदेश में बीजेपी यानी एनडीए गठबंधन लगातार मजबूत हो रहा है, वहीं इंडी गठबंधन करीब-करीब पूरी तरह से बिखर गया है। कहने को तो फिलहाल सपा और कांग्रेस साथ खड़े नजर आ रहे हैं, लेकिन यह साथ तभी तक बरकरार नजर आ रहा है, जब तक कांग्रेस सीटों के लिए मुंह नहीं खोल रही है। सपा ने कांग्रेस को 11 सीटों का आफर दिया है। यदि रालोद इंडी से अलग हो जाता है तो पश्चिमी यूपी में कांग्रेस को एक-दो सीटें और मिल सकती हैं। मगर इतनी सीटों पर भी जीत हासिल करना कांग्रेस के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि कांग्रेस ने यूपी में अभी तक चुनाव की तैयारी ही नहीं शुरू की है। यूपी में इंडी गठबंधन क्यों बिखर रहा है, इसकी तह में

जाया जाये तो सबसे बड़ा कसूरवार चेहरा राहुल गांधी ही नजर आते हैं। वैसे सपा प्रमुख अखिलेश यादव की भूमिका भी सार्थक नजर नहीं आ रही है। अखिलेश जिस तरह से बसपा को इंडी गठबंधन से दूर रखने के लिए अड़ गये, वह भी किसी तरह से सही नहीं था। सबसे पहले बात राहुल गांधी की। यूपी में कभी कांग्रेस की तूती बोला करती थी, यूपी के सहारे ही कांग्रेस केन्द्र की सत्ता पर काबिज होती थी। यूपी गांधी परिवार का चुनावी गढ़ हुआ करता था। अमेठी, रायबरेली, सुल्तानपुर जैसे जिलों में तो कांग्रेस को कोई टक्कर भी नहीं दे पाता था, लेकिन अब सब बदल चुका है। कांग्रेस के रणनीतिकार और गांधी परिवार के सदस्य राहुल गांधी यूपी छोड़कर जा चुके हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से मिली करारी हार के बाद से राहुल ने मुड़कर यूपी की तरफ नहीं देखा।

प्रियंका गांधी ने साल 2018 में उत्तर प्रदेश की राजनीति में कदम रखा था। इससे पहले उन्होंने सिर्फ. अमेठी और रायबरेली तक ही खुद को सीमित रखा हुआ था। जनवरी 2019 में उन्हें पूर्वी यूपी का प्रभारी बनाया गया। लेकिन पश्चिमी यूपी के प्रभारी ज्योतिरादित्य सिंधिया के जाने के बाद प्रियंका गांधी को सितंबर 2020 में पूरे राज्य का प्रभारी बना दिया गया था। पूरी तौर पर जिम्मेदारी संभालने के बाद प्रियंका गांधी पार्टी का आक्रामक चेहरा बनकर उभरीं। वह लखीमुर खीरी में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी की गाड़ी से टकराकर जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों से मिलीं। उन्होंने राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पर भी निशाने साधे। उस समय कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रहे अजय कुमार लल्लू को प्रियंका गांधी की पसंद के तौर पर देखा जाने लगा। लेकिन प्रियंका गांधी का साल 2022 में लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ, अभियान विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को पार्टी की ओर खींचने में असफल रहा। कांग्रेस 403 सीटों वाली विधानसभा में केवल दो सीटों तक सिमट कर रह गई, जो पार्टी का राज्य में अब तक का सबसे बुरा प्रदर्शन था। अब प्रियंका यूपी छोड़ चुकी हैं। प्रियंका गांधी की जगह अविनाश पांडे को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया। पूर्व राज्यसभा सांसद अविनाश पांडे अभी तक झारखंड के प्रभारी थे। कांग्रेस की दुर्दशा पर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि यूपी में पार्टी ने अपना जनाधार खो दिया है क्योंकि हम पिछले कुछ सालों में अपने बड़े-बड़े चेहरों को खोते गए। जो यहां रुके उन्होंने भी रोजमर्रा के मसलों से दूरी बनाए रखी, लेकिन यह सब बदलाव तभी सफल हो पायेंगे जब कांग्रेस यूपी में संगठन को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ जनता से जुड़ी समस्याओं के लिये मुखरता से आवाज उठाये। मगर ऐसा अभी तक नहीं हो पाया है। समाजवादी पार्टी को भी माफ नहीं किया जा सकता है। जो पार्टी जनांदोलन से खड़ी हुई थी, अब वह सड़क पर लड़ते हुए नहीं दिखाई देती है। अखिलेश यादव अपने बयानों से सुर्खियां तो बटोरते रहते हैं, परंतु मतदाताओं से उनकी दूरी सपा के आगे बढ़ने के मार्ग में एक बड़ा अवरोध है। सपा की मुस्लिम तुष्टिकरण की सियासत भी सपा पर भारी पड़ती नजर आ रही है। खासकर जिस तरह से अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से जिस तरह सपा ने दूरी बनाये रखी, वह सपा के पिछड़े और दलित वोटरों को भी रास नहीं आ रहा है क्योंकि राम सभी हिन्दुओं की आस्था से जुड़े हैं।

शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में विश्व में चौथे स्थान पर पहुँचना भारत की बड़ी कामयाबी

प्रह्लाद सबनानी

भारत आज अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में नित नई ऊंचाईयां छू रहा है। दिसम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह में भारत ने फ्रान्स एवं ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में पूरे विश्व में पांचवां स्थान हासिल किया था। भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं हांगकांग थे। परंतु, अब दो माह से भी कम समय में भारत ने शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को पीछे छोड़ते हुए विश्व में चौथा स्थान प्राप्त कर लिया है। भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का हो गया है। अब ऐसा आभास होने लगा है कि भारत अर्थ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। एक ईसवीं से लेकर 1750 ईसवीं तक आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में भारत का बोलबाला था। इस खंडकाल में विश्व के कुल विदेशी व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत से भी अधिक की रही है क्योंकि उस समय पर भारत में सनातन संस्कृति का पालन करते हुए व्यापार किया जाता था। भारत में कर्म एवं अर्थ के कार्यों को धर्म का पालन करते हुए करने की प्रथा का पुरातन शास्त्रों में वर्णन मिलता है। भारत में चूंकि आज एक बार पुनः सनातन संस्कृति का पालन करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में कार्य सम्पन्न हो रहे हैं अतः पूरे विश्व का भारत पर विश्वास बढ़ रहा है अतः न केवल विदेशी वित्तीय संस्थान बल्कि विदेशी नागरिक भी भारत के पूंजी (शेयर) बाजार में अपने निवेश को लगातार बढ़ाते जा रहे हैं।

भारत में नेशनल स्टॉक एक्स्चेंज पर लिस्टेड समस्त कम्पनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का स्तर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर जुलाई 2017 में पहुंचा था और लगभग 4 वर्ष पश्चात अर्थात मई 2021 में 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया था तथा केवल लगभग 2.5 वर्ष पश्चात अर्थात दिसम्बर 2023 में यह 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर गया था और आज यह 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर से भी आगे निकल गया है। इस प्रकार भारत शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में आज पूरे विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है।

प्रथम स्थान पर अमेरिकी शेयर बाजार है, जिसका पूंजीकरण 50.86 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। द्वितीय स्थान पर चीन का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 8.44 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। वर्ष 2023 में चीन के शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को ऋणात्मक प्रतिफल दिए हैं। तीसरे स्थान पर जापान का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 6.36 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। चौथे स्थान पर भारत का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पांचवें स्थान पर हांगकांग का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.29 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जिस तेज गति से भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे बढ़ रहा है, अब ऐसी उम्मीद की जा रही है कि कुछ समय पश्चात ही भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण जापान शेयर बाजार के पूंजीकरण को पीछे छोड़ते हुए पूरे विश्व में तीसरे स्थान पर आ जाएगा।

भारतीय शेयर बाजार आज विदेशी निवेशकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन गया है क्योंकि भारतीय शेयर बाजार अपने निवेशकों को भारी लाभ दे रहा है। हाल ही में सम्पन्न किए गए एक सर्वे में यह बात उभरकर सामने आई है कि विश्व के 100 बड़े निवेशक फंड जिनकी संपतियां 26.25 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की हैं, ने चीन के स्थान पर भारत में अपने निवेश बढ़ाने की बात की है। भारत के बाद ब्राजील एवं चीन में ये फंड अपने निवेश की बात कर रहे हैं। वर्ष 2023 में विभिन्न विदेशी निवेशक फंडों ने 2000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश भारत के शेयर बाजार में किया है।

युवाओं को वित्तीय ज्ञान के साथ सशक्त बनाने हेतु बयालसी डिग्री कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित

प्रखर जलालपुर, (जौनपुर)। युवाओं को वित्तीय ज्ञान के साथ सशक्त बनाने के एक ठोस प्रयास में, बयालसी डिग्री कॉलेज, जलालपुर, जौनपुर में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 8 फरवरी, 2024 को, एक्सिस बैंक ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स (एनआईएसएम) के सहयोग से, प्रतिभूति बाजार में कैरियर के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए युवाओं के लिए वित्तीय साक्षरता पर एक व्यापक कार्यक्रम आयोजित किया। बैंकिंग क्षेत्र के एक प्रमुख संस्था, एक्सिस बैंक द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा दिमागों के वित्तीय कौशल को बढ़ाना और उन्हें प्रतिभूतियों के गतिशील क्षेत्र में अंतर्दृष्टि से लैस करना था। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा विनियमित एक शैक्षिक निकाय, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स ने कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आशुतोष पांडे और अनिल नारायण दुबे ने शैक्षिक पहल के निर्बाध कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया। बयालसी डिग्री कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अल्केश्वरी सिंह ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और अपने छात्रों के बीच वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। डॉ. संजय नारायण सिंह, डॉ. जगत नारायण सिंह, श्री प्रकाश चंद्र कसेरा, श्रीकृष्ण सिंह, हिमांशु कुमार व अनिल कुमार की उपस्थिति में उद्घाटन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 200 छात्रों की उल्लेखनीय उपस्थिति ने सक्रिय रूप से भाग लिया और प्रतिभूति बाजार की जटिलताओं को समझने में गहरी रुचि प्रदर्शित की। इंटरैक्टिव सत्रों और आकर्षक चचाओं ने समग्र शिक्षण अनुभव प्रदान किया, जिससे वित्तीय क्षेत्र में छात्रों के संभावित करियर की नींव रखी गई। यह पहल वित्तीय जागरूकता और समावेशिता को बढ़ावा देने के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो अंततः सूचित और जिम्मेदार नागरिकों के विकास में योगदान देती है। एक्सिस बैंक, एनआईएसएम और बयालसी डिग्री कॉलेज के सहयोगात्मक प्रयासों ने युवाओं के लिए वित्तीय शिक्षा को आगे बढ़ाने में एक सराहनीय मिसाल कायम की है।

मिसाइल तकनीकी में पॉलीमर नैनो कंपोजिट की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ. मयंक द्विवेदी

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान तथा एशियन पॉलीमर एसोसिएशन, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में फंक्शनल मैटेरियल पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन गुरुवार को किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि रक्षा सामग्री एंव भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, (डीआरडीओ) कानपुर के डॉ. मयंक द्विवेदी ने कहा कि फंक्शनल पदार्थ का उपयोग कर-के युद्ध क्षेत्र में सैनिकों की रक्षा हेतु बुलेट प्रूफ जैकेट का निर्माण किया जा रहा है। फंक्शनल पदार्थ और पॉलीमर से बने बुलेट प्रूफ जैकेट वजन में हल्के होने के कारण सैनिकों हेतु सुविधाजनक होते हैं। उन्होंने कहा कि इस समय डीआरडीओ के द्वारा फंक्शन पदार्थ का प्रयोग करके वजन में विश्व में सबसे हल्के लेवल सिक्स बुलेट प्रूफ जैकेट का निर्माण किया जा रहा है जो की 6 स्नाइपर बुलेट व एलएमजी बुलेट का प्रतिरोध करने में सक्षम है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने फंक्शनल पदार्थ के आर्थिक महत्वों पर विस्तार से चर्चा किया। उन्होंने कहा कि किस प्रकार फंक्शनल पदार्थ पर शोध व पेटेंट कर हम विश्वविद्यालय को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकते हैं। उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुए विभिन्न प्रकार के फंक्शनल पदार्थ के विभिन्न प्रकार के उपयोग पर विस्तृत चर्चा किया। सम्मेलन के संरक्षक और आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर व एशियन पॉलीमर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. भुवनेश गुप्ता ने पॉलीमर की विभिन्न आयामों पर चर्चा किया तथा उन्होंने छात्रों को पॉलीमर के क्षेत्र में शोध से जुड़ने हेतु प्रेरित किया। प्रो गुप्ता ने एशियान पॉलीमर एसोसिएशन के स्थापना के संबंध में संबंध में कहा कि हमारा संगठन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पॉलीमर के विकास के क्षेत्र मे कार्य कर रहा है। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहीं व सम्मेलन की मुख्य संरक्षक वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि फंक्शनल पदार्थ वर्तमान समय में विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किये जा रहे हैं। पॉलीमर नैनो कंपोजिट का प्रयोग रक्षा क्षेत्र, संपोषणीय पर्यावरण विकास, उर्जा क्षेत्र, उत्प्रेरक आदि में किया जा रहा है। प्रो वंदना सिंह ने कहा कि फंक्शनल पदार्थ के क्षेत्र में यह सम्मेलन विज्ञान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को आगे ले जाएगा। प्रो.सिंह ने आयोजन समिति को शानदार सम्मेलन आयोजित करने के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। रज्जू भैया संस्थान के निदेशक व सम्मेलन के संयोजक डॉ. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ यादव ने बताया कि विभिन्न राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्तअधिकारी संजय कुमार राय, प्रो. वंदना राय, प्रो अशोक श्रीवास्तव, प्रो अविनाश, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ.गिरधर मिश्रा, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ मिथिलेश यादव डॉ. पुनीत धवन, डॉ.दिनेश वर्मा, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह डॉ.शशिकांत यादव, डॉ.नीरज अवस्थी, डॉ. सुजीत कुमार चौरसिया, डॉ. काजल कुमार डे, डॉ. धीरेंद्र चौधरी व बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

" बंशीधर की बांसुरी"

भरी दोपहर की शोर में,
तन्हाईयां क्यों है?
तू है हर जगह फिर भी,
छाई विरानीयाँ क्यों है?

चंद सिक्कों के खातिर,
अपनों से दूरियां क्यों है?
जाना है खाली हाथ फिर
मुट्ठी बंद करने की नादानियां क्यों है?

देती मां की ममता ही,
कुर्बानियां क्यों है?
अक्सर बाप की कहानियों पर,
खामोशियां क्यों है?

ना रही दिलों के जहां में,
पाकीजा क्यों है?
इश्क में रवानगी की बजती,
शहनाइयां क्यों है?

शिक्षा बन गई,
व्यापार क्यों है?
किताबों के वजन तले,
दबती बच्चों की शैतानियां क्यों है?

कृष्ण और राधा के मिलन में,
आज बेताबियां क्यों है?
बंशीधर की बांसुरी पर,
ना नृत्य करती मीरा क्यों है?

दिनेश प्रसाद सिन्हा मलावी अफ्रीका।

शिक्षा के क्षेत्र में

नई राहें

आईएएस बनने का ऐसा जुनून कि 3 साल के मासूम बेटे से हो गई थी दूर-अनु कुमारी

कहते हैं इंसान को कुछ हासिल करने के लिए बहुत कुछ खोना पड़ता है। लेकिन अगर मंजिल पाने के लिए अपने जिगर के टुकड़े से दूर जान पड़े तो सोच कर भी दिल सिहर उठता है। लेकिन आज हम एक ऐसी ही IAS अफसर की कहानी बताने जा रहे हैं जिन्होंने अपनी मंजिल पाने के लिए अपने 3 साल के मासूम बेटे से पूरे 2 साल दूर रहना पड़ा था। लेकिन बेटे से दूर होने के गम व कुछ कर गुजरने की तमन्ना के बीच इस लड़की ने वो कर दिखाया था जो लोगों के लिए एक मिसाल बन गया। आज हम आपको UPSC के 2017 बैच में दूसरी रैंक हासिल करने वाली अनु कुमारी की।

केरल में पोस्टिड हैं

अनु कुमारी ने साल 2017 में संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की परीक्षा पास की थी। हालांकि वे अपने पहले प्रयास में एक नंबर से IAS बनते-बनते रह गई थीं, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया। अनु इस समय केरल कैडर में हैं और केरल में ही पोस्टिड हैं। 18 नवंबर 1986 को जन्मीं अनु हरियाणा प्रदेश के सोनीपत जिले की रहने वाली हैं और जाट परिवार से हैं। पिता का नाम बलजीत सिंह, मां का नाम संतरो देवी है। अनु की एक छोटी बहन और 2 भाई हैं।

नौकरी छोड़ UPSC क्रैक किया

अनु ने शुरुआती शिक्षा शिवा शिक्षा सदन सोनपत से पूरी की। दिल्ली यूनिवर्सिटी से फिजिक्स में BSC (ऑनर्स) की। इसके बाद IMT नागपुर से फाइनेंस और मार्केटिंग में MBA की। इसके बाद अनु ने मुंबई में ICICI बैंक में नौकरी की, जहां लगभग 9 साल काम किया। 2012 में अनु का शादी बिजनेसमैन वरुण दहिया से हुई। शादी के बाद वह गुरुग्राम में रहीं। साल 2016 में नौकरी छोड़कर UPSC क्लीयर करने का फैसला लिया। करीब 10 साल बाद अनु ने एग्जाम की तैयारी शुरू की।

बेटे को मां-बाप के पास छोड़ा

2016 में ही अनु ने पहली बार UPSC एग्जाम दिया। उस समय फॉर्म बड़े भाई ने बिना बताए भर दिया था। उन दिनों अनु का बेटा सिर्फ 4 साल का था, लेकिन अनु ने 2017 में फिर से एग्जाम देने का फैसला लिया। इसके लिए अनु ने अपने बेटे को मां-बाप के पास भेज दिया। खुद मौसी के यहां चली गई, जहां करीब डेढ़ साल जी तोड़ मेहनत की। UPSC क्लीयर करने का जुनून ऐसा था कि वह अपनी ममता को भूल गई थी। वे एग्जाम पास करने की ठान चुकी थी, क्योंकि इससे उनका और बेटे का भविष्य संवरता।

कोचिंग नहीं ली, टॉपिक बना प्रैक्टिस की

UPSC क्रैक करने के बाद पहले इंटरव्यू में अनु ने बताया कि नौकरी में पैकेज अच्छा था, लेकिन लोगों के लिए कुछ करना चाहती थी, इसलिए प्रशासनिक सेवा में आने का फैसला लिया। कोई कोचिंग नहीं ली। खुद पढ़ाई करके मुकाम हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करना नहीं छोड़ा। काफी हद तक सेल्फ स्टडी की। BSC की थी तो कई सब्जेक्ट की नॉलेज थी। स्पेशल टॉपिक बनाकर अभ्यास किया। ऑनलाइन स्टडी भी की। नोट्स बनाए, इसलिए रिवीजन में भी मुश्किल नहीं हुई और टारगेट अचीव हो गया।

स्टॉक मार्केट में भी बना सकते हैं शानदार करियर

शेयर मार्केट के तेजी से होते विस्तार ने इस क्षेत्र में करियर के नए अवसर पैदा किए हैं आजकर युवा शेयर मार्केट को जानने और समझने में लगे हैं, ताकि कम समय में अच्छा मुनाफा मिल सके। वहीं, कुछ लोग इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। अब ज्यादातर लोग इसमें बड़े लेवल पर इनवेस्ट करने लगे हैं। इस सेक्टर में बहुत ग्रोथ है। ऐसे में युवा अपना करियर बनाकर

अच्छी कमाई कर सकते हैं।

अगर आप 12वीं या ग्रेजुएशन की पढ़ाई के बाद बेहतर करियर बनान चाहते हैं तो इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। यहां आपको शेयर मार्केट की पढ़ाई से संबंधित कुछ कोर्सेस के बारे में बता जानकारी दे रहे हैं। इनमें से किसी में भी दाखिला लेकर आप इस सेक्टर की बारीकियों को समझ पाएंगे, जो आगे चलकर आपको अपना बिजनेस या नौकरी में ग्रोथ करने में बेहद काम आएंगे।

इस क्वालिफिकेशन के साथ करें डिप्लोमा कोर्स

आप 12वीं या ग्रेजुएशन के बाद शेयर मार्केट से जुड़े कोर्सेस कर सकते हैं। डिग्री से ज्यादा इस क्षेत्र में आपकी दिलचस्पी मायने रखती है। देश में कई निजी संस्थान ऐसे कोर्सेस कराते हैं। इस कोर्स में आपको शेयर बाजार से जुड़ी सभी बेसिक चीजें, इन्क्लूजन थ्योरी, प्रैक्टिकल, फंडामेंटल और टेक्नीकल जानकारी दी जाती है।

आपकी मेहनत ही सफलता को दे सकती है नई उड़ान-पायलट मोहित तेवतिया

आपको याद होगा कि स्पाइसजेट पायलट मोहित तेवतिया अपनी फ्लाइट अनाउंसमेंट के चलते जमकर सुर्खियों में बने हुए थे। तब उनकी अनाउंसमेंट ने लोगों का दिल जीत लिया था। एक बार फिर मोहित तेवतिया सोशल मीडिया पर छाये हुए हैं। इस बार कोई फ्लाइट अनाउंसमेंट नहीं बल्कि उन नौजवानों के लिए हैं जो इस क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। आइये जानते हैं करियर को लेकर युवाओं को क्या संदेश दे रहे हैं।

क्या आप जानते हैं? इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार इंडियन एविऐशन इंडस्ट्री दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्री हैं। जिसने एयर होस्टेस / कैबिन क्रू प्रोफेशन में नौकरियों को कई गुना बढ़ा दिया हैं। मोहित तेवतिया के अनुसार एविऐशन इंडस्ट्री के सबसे अहम हिस्सा एयर होस्टेस / कैबिन क्रू के बारे में। इनका काम पैसेंजर के प्लेन में चढ़ने से लेकर प्लेन से उतरने तक की सारी अरेंजमेंट्स को देखना होता है। मतलब यह कि पैसेंजर के कंफर्ट से लेकर वेलफेयर और सेफ्टी के साथ प्लेन के टेक ऑफ करने से पहले की सारी इमरजेंसी अरेंजमेंट्स को चेक करना एयर होस्टेस / कैबिन क्रू की जॉब रिस्पॉन्सबिलिटी होती है। कैबिन क्रू में एयर होस्टेस और फ्लाइट स्टीवर्ड शामिल होते हैं।

एलिजिबिलिटी

मोहित तेवतिया ने कहा एयर होस्टेस के लिए अप्लाई करने वाली फीमेल उम्मीदवार की उम्र 16 से 26 साल होने चाहिए। इसके अलावा हाइट 5'2 फुट से कम नहीं होनी चाहिए। जॉब के लिए अप्लाई करते समय उम्मीदवार अनमैरिड होनी चाहिए।

मेडिकली फिट

अट्रैक्टिव पर्सनालिटी के साथ ही मेडिकली फिट भी होनी चाहिए। साथ ही उसके पास किसी भी स्ट्रीम मे 10+2 या एविऐशन में अंडरग्रेजुएट डिग्री होना जरुरी है। एयर होस्टेस के कोर्स सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री लेवल पर करवाए जाते हैं। जिसकी औसतन फीस 50,000 से 1,50,000 तक हो सकती है।

इस तरह होगा सिलेक्शन ट्रेनिंग के लिए उम्मीदवार ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट या एयरलाइंस में ओपनिंग होने पर अप्लाई कर सकते हैं। यहां सिलेक्शन के बाद उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग की जाती हैं। यहां चुने गए उम्मीदवार एयरलाइंस की प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए एलिजिबल होते हैं। जहां उनकी आवाज, लैंग्वेज फ्लूएंसी, कम्युनिकेशन स्किल और पर्सनालिटी को परखा जाता है। इसमें चयनित उम्मीदवारों को छह महीने के लिए एयरलाइन एयर होस्टेस ट्रेनिंग ऑफर करता हैं।

सर्टिफिकेट या डिप्लोमा

केबिन क्रू मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट या डिप्लोमा प्रोग्राम करने के बाद, एयर होस्टेस कई जॉब प्रोफाइलों जैसे - केबिन क्रू सीनियर फ्लाइट अटेंडेंट, ग्राउण्ड स्टाफ, ट्रेनर, क्रू शेड्युलर, क्रू मैनेजर पर काम कर सकती हैं।

सैलरी

सैलरी की बात करें तो किसी भी केबिन क्रू की सैलरी बहुत सारे फैक्टर्स पर निर्भर करती है। इन सबके बावजूद इनकी औसतन सैलरी 4 लाख से 9 लाख रुपए सालाना होती है।

ये हैं टॉप क्षेत्र जहां मिल सकती हैं सर्वाधिक नौकरियां

भारत की अर्थव्यवस्था में हाल ही में हुए बदलावों के कारण भारत विश्व की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। 3.5 ट्रिलियन जीडीपी के साथ इस समय विश्व की टॉप 5 अर्थव्यवस्थाओं में भारत का नाम आ गया है। इसी तरह ग्रोथ होती रही तो 2025 तक भारत 5 ट्रिलियन जीडीपी इकोनॉमी बन सकता है। भारत की इस तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था को ये 5 क्षेत्र फॉर्मा और हेल्थकेयर, टेलीकम्युनिकेशन, नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग, मीडिया इंटरटेंनमेंट और ई कॉमर्स गति दे रहे हैं। अगर आप भी इन सेक्टर्स में शामिल होकर कम समय में आकर्षक पैकेज वाली जॉब हासिल करना चाहते हैं तो तो अपने कड़ी मेहनत से अपना शानदार करिअर बना सकते हैं।

ई कॉमर्स - देश में ई कॉमर्स सेक्टर पिछले 2-3 वर्षों में सबसे तेज ग्रो किया है। फ्लिपकार्ट, अमेजन जैसी कंपनियां रातों रात करोड़ों रुपये का टर्नओवर करने लगीं हैं। इतना ही नहीं ई कॉमर्स सेक्टर की कंपनियां वार्षिक रूप से 15-20 प्रतिशत बढ़ोत्तरी कर रहीं हैं। इसीलिए केंद्र सरकार भी डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया जैसे नवाचार लेकर आया है ताकि स्किल्ड युवाओं को इस जॉब ओरिएंटेड इंडस्ट्री का हिस्सा बनाने में मदद कर सके। लेकिन एक सर्वे के अनुसार 2022 में 50 प्रतिशत कर्मचारियों को स्किल्ड होने की जरूरत थी। अगर आप भी इस सेक्टर में अपना करिअर बनाना चाहते हैं तो सफलता के Digital Marketing Course की मदद ले सकते हैं।

टेली कम्युनिकेशन - ये सच है कि भारत में बीते 7 सालों में टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर ने रिकॉर्ड ग्रोथ की है। 2022 में 69 करोड़ लोगों ने इंटरनेट का इस्तेमाल किया है। हजारों कंपनियों ने मोबाइल लांच किए हैं। 2जी से आगे बढ़कर आज लोग 5जी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने लगे हैं। मौजूदा समय में ये इंडस्ट्री कई लाख करोड़ की बन चुकी है। इस क्षेत्र में 40 लाख से ज्यादा नौकरियां क्रिएट हुई हैं।

फॉर्मा और हेल्थकेयर - देश में हेल्थकेयर सेक्टर में तेजी से सुधार हुये हैं लाखों लोगों के लिए नौकरियों का सृजन भी हुआ है। दवा क्षेत्र में हेल्थकेयर कर्मियों के साथ - साथ एचएआर, सेल्स, आईटी, ऑपरेशन्स सेक्टर में भी हजारों नौकरियां निकलीं हैं।

नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग (केपीओ) - केपीओ सेक्टर में देश हर महीने ग्रोथ कर रहा है। स्किल्ड वर्कफोर्स के बढ़ने से इस सेक्टर में तेजी से नौकरियां बढ़ी हैं। डाटा माइनिंग, टेक्निकल डाटा एक्सट्रैक्शन, डाटा मैनेजमेंट के क्षेत्र में लगातार नौकरियां निकल रहीं हैं। इस क्षेत्र में अनुभवी और फ्रेशर्स दोनों कैंडिडेट्स के लिए नौकरियां निकल रहीं हैं।

मीडिया एंड इंटरटेनमेंट - पीडब्ल्यूसी रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग में वार्षिक रूप से 10.55 प्रतिशत का उछाल आ रहा है। इस इंडस्ट्री में आए लॉ रिफॉर्म्स की वजह से भी नौकरियों में भारी बढ़ोत्तरी हुई है। साथ ही हजारों की संख्या में खुली वेबसाइट्स भी इस सेक्टर में लाखों लोगों को नौकरियां दे रहीं हैं।

आचार संहिता लागू होने के बाद भी बनवा सकते हैं वोटर आईडी

देश में चुनाव को निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने के लिए चुनाव आयोग ने कुछ नियम-शर्तें तय की हैं। इन्हीं नियमों को आचार संहिता कहते है। एक बार जब राज्य में संहिता लागू हो जाती है तो कई कार्यों पर बैन लग जाता है। ऐसे में आज हम बतायेंगे कि आचार संहिता लागू होने के बाद वोटर आईडी कार्ड बनवा सकते हैं या नहीं। इसके अलावा अपना नाम कैसे जुड़वा सकते हैं। आइये जानते हैं।

5 राज्यों में होने हैं चुनाव

इस साल 5 राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, राजस्थान और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में चुनाव आयोग ने वोटिंग लिस्ट जारी कर दी है। ऐसे में जिन्होंने वोटिंग लिस्ट में अब भी अपना नाम जुड़वाया नहीं है, वो ऑनलाइन या ऑफलाइन तरीके से लिस्ट में नाम ऐड करा सकते हैं. यह मौका आचार संहिता लागू होने के 10 दिन बाद तक होता है।

ऑनलाइन Add करें लिस्ट में अपना नाम

सबसे पहले वेबसाइट eci.nic.in पर जाएं.

यहां दिए ऑनलाइन वोटर रजिस्ट्रेशन ऑप्शन को चुनें। रजिस्ट्रेशन करने के लिए एक यूजर आईडी और पासवर्ड बनाएं।

पासपोर्ट साइज फोटो अपलोड करें।

एक्स्ट्रा डॉक्यूमेंट अपलोड करें, जैसे पता प्रमाण।

अगर आप ऑनलाइन डॉक्यूमेंट जमा करने में असमर्थ हैं, तो यह अनुरोध कर सकते हैं कि बूथ लेवल अधिकारी डॉक्यूमेंट लेने आपके घर आए, यह ऑप्शन दिया होता है।

ऑफलाइन प्रोसेस

इलेक्शन कमीशन की वेबसाइट से रजिस्ट्रेशन फॉर्म डाउनलोड करें या ERO ऑफिस से भी ले सकते हैं। जरूरी जानकारी के साथ फॉर्म भरें।

मांगे गए डॉक्यूमेंट्स की फोटोकॉपी उसके साथ अटैच कर दें। अपने निर्वाचन क्षेत्र के बूथ लेवल ऑफिसर या मतदाता केंद्र पर अब फॉर्म भेज दें। इसके बाद लॉगइन कर लें. अब ईपीआईसी नंबर के जरिए आप वोटिंग लिस्ट नाम का स्टेटस चेक कर सकते हैं।

इस तरह आप भी मिलिट्री स्कूल में दिला सकते हैं बच्चे को दाखिला

सभी माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे स्कूल में एडमिशन दिलाना चाहते हैं जहां वे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सकें और साथ ही ऐसा हुनर सीख सकें जिससे वे आगे चलकर बेहतर करियर का निर्माण कर सकें। इसके अलावा कुछ अविभावक ऐसे भी होते हैं जो अपने बच्चों को देश सेवा के लिए प्रेरित करना चाहते हैं और उनको राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल में एडमिशन दिलाना चाहते हैं तो आपको बता दें कि इसके लिए एक प्रॉसेस को फॉलो करना होता है। आप यहां से मिलिट्री स्कूल में एडमिशन लेने की पूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं।

सामान्य नागरिकों के लिए केवल 30 फीसदी सीटें आपको जानकारी के लिए बता दें कि राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल में 70 प्रतिशत सीटें सेना में काम करने वाले या काम कर चुके सैनिकों के लिए आरक्षित होती हैं। इसके बाद बची हुई 30 प्रतिशत सीटों पर सामान्य नागरिकों के बच्चों को प्रवेश दिया जाता है।

एंट्रेस टेस्ट

इन 30 प्रतिशत सीटों पर स्टूडेंट्स को प्रवेश एंट्रेस टेस्ट के माध्यम से दिया जाता है। एंट्रेस टेस्ट कक्षा 6वीं और 9वीं में प्रवेश के लिए दिया जाता है। कक्षा 11वीं में छात्रों को प्रवेश कक्षा 10वीं में किये गए प्रदर्शन के आधार पर दिया जाता है।

आयु सीमा

मिलिट्री स्कूल में प्रवेश के लिए आयु सीमा भी निर्धारित है। अगर आप अपने बच्चे को कक्षा छठवीं में प्रवेश दिलाना चाहते हैं तो उसकी उम्र 10 से 12 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इसके अलावा कक्षा 9 में एडमिशन दिलाने के समय छात्र की उम्र 13 से 15 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

शैक्षिक योग्यता

अगर आप अपने बच्चे को 6th में दाखिला दिलाना चाहते हैं तो छात्र का कक्षा 5वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसके अलावा 9वीं में प्रवेश के लिए स्टूडेंट का 8वीं उत्तीर्ण और 11वीं में प्रवेश के लिए कक्षा 10वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

GENERAL KNOWLEDGE

-क्या आप जानते हैं कि भारत का नेशनल हैरिटेज पशु कौन सा है?

उत्तर- भारत का नेशनल हैरिटेज पशु हाथी है।

-बताएं किस फल को खाने से दांत साफ हो जाते हैं?

उत्तर- पपीते ही वो फल है, जिसे खाने से लोगों के दांत साफ हो जाते हैं।

- गरबा भारत के किस राज्य का सबसे प्रसिद्ध लोकनृत्य है?

उत्तर- दरअसल, गरबा भारत के गुजरात राज्य का सबसे प्रसिद्ध लोकनृत्य है।

- किस फल में सबसे ज्यादा पानी पाया जाता है?

उत्तर- नारियल में सबसे ज्यादा पाया जाता है।

- गाय का सबसे पसंदीदा रंग कौन सा है?

उत्तर- गाय का सबसे पसंदीदा रंग हरा है।

- दुनिया की सबसे ऊंची इमारत कौन सी है?

उत्तर- दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा है।

- कौन सा जीव है जो अपने जीभ से नहीं बल्कि अपने पैरों से स्वाद लेता है?

उत्तर- तितली जीभ से नहीं बल्कि अपने पैरों से स्वाद लेती है।

- बालों में क्या लगाने से डेंड्रफ खत्म हो जाता है?

उत्तर- बालों में दही लगाने से डेंड्रफ खत्म हो जाता है।

- बताएं आखिर दुनिया में ऐसी कौन सी नदी है, जिसका पानी हमेशा गर्म रहता है?

उत्तर- दरअसल, नील नदी ही वो नदी है, जिसका पानी हमेशा गर्म रहता है।

- क्या आप बता सकते हैं कि आखिर एक बिल्ली का जीवनकाल कितने वर्षों का होता है?

उत्तर- बता दें कि एक बिल्ली का जीवनकाल करीब 15 वर्षों का होता है।

- बताएं भारत का सबसे बड़ा पागल खाना कहां स्थित है?

उत्तर- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भारत का सबसे बड़ा पागल खाना आगरा में स्थित है।

- खाली पेट नींबू और अदरक का पानी पीने से क्या होता है?

उत्तर- अदरक और नींबू इम्यूनिटी को बूस्ट कर सकता है।

- काली चाय में नींबू मिलाकर पीने से क्या होता है?

उत्तर- चाय से ताजगी मिलती है। नींबू से विटामिन सी मिल जाता है।

- अदरक खाने से कौन सी बीमारी ठीक होती है?

उत्तर- अदरक पाचन से जुड़ी दिक्कतों जैसे कब्ज, पेट में गैस, एसिडिटी और उल्टी आने की दिक्कत से छुटकारा दिलाता है।

- बताएं आखिर किस जानवर की संख्या भारत में सबसे ज्यादा है?

उत्तर- भारत में मछलियों की संख्या सबसे ज्यादा है।

- किस पक्षी को रात के समय बिल्कुल भी दिखाई नहीं देता है?

उत्तर- वो पक्षी मुर्गा है, जिसे रात के समय बिल्कुल भी दिखाई नहीं देता है।

अमेरिका में भारतीय छात्र पर फिर हमला

नई दिल्ली । अमेरिका के शिकागो में एक भारतीय छात्र पर हमला हुआ। घटना 4 फरवरी की बताई जा रही है। घटना का एक वीडियो सामने आया है। इसमें 3 हमलावर छात्र का पीछा करते नजर आ रहे हैं। इसके बाद तीनों उसे बुरी तरह पीटते हैं, फोन छीनते हैं और भाग जाते हैं। छात्र खून से लथपथ नजर आ रहा है। छात्र का नाम सैयद मजाहिर अली है। वह हैदराबाद का रहने वाला है और मास्टर्स की डिग्री के लिए अमेरिका गया था। इस बीच इंडियाना राज्य में एक पार्क में समीर कामथ नाम के भारतीय-अमेरिकी छात्र का शव मिला है। उसने मास्टर्स की पढ़ाई पूरी की थी और पीएचडी कर रहा था।

भारत आ रहे अमेरिकी जहाज पर अटैक

नई दिल्ली । लाल सागर में हूती विद्रोहियों ने दो जहाजों पर हमला किया। ये जहाज अमेरिका और ब्रिटेन के थे। इनमें से एक जहाज अमेरिका से भारत आ रहा था। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस के मुताबिक मंगलवार देर रात लाल सागर में आगे बढ़ रहे अमेरिकी जहाज स्टार नासिया के नजदीक हूतियों की बोट देखी गई थी। वहीं, ब्रिटेन के जहाज मॉर्निंग टाइड पर सुबह हमला हुआ।

सोनाक्षी सिन्हा की मैनेजर फरार घोषित

मुरादाबाद । मुरादाबाद सेशन कोर्ट ने फिल्म अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की मैनेजर मालविका पंजाबी, धोमिल ठक्कर और एडगर्ल सकारिया को फरार घोषित किया है। तीनों के खिलाफ पहले से ही गैरजमानती वारंट जारी है। इसके बावजूद कोर्ट में पेश नहीं होने पर कोर्ट ने इन्हें फरार घोषित कर दिया है। मामले में सोनाक्षी सिन्हा भी आरोपी हैं।

करप्शन मामले में श्रीलंका के कैबिनेट मंत्री गिरफ्तार

कोलंबो । श्रीलंका के कैबिनेट मिनिस्टर केहेलिया रामबुकावेला को करप्शन के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। प्रेसिडेंट रानिल विक्रमसिंघे के कहने पर उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। रामबुकावेला पर आरोप है कि उन्होंने हेल्थ मिनिस्टर रहते हुए कैंसर की नकली दवाइयां खरीद को मंजूरी दी, जबकि वो इस मामले की तमाम हकीकत को जानते थे।

लंदन के क्रिमिनल कोर्ट में हुआ धमाका

लंदन । ब्रिटेन की राजधानी लंदन के क्रिमिनल कोर्ट की बिल्डिंग ओल्ड बैले के ग्राउंड फ्लोर पर आग लग गई। द सन के मुताबिक, धुआं उठने से पहले बिल्डिंग में तेज धमाका हुआ था। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। खबरों के मुताबिक, आग लगने से पहले बिल्डिंग की पावर सप्लाई भी कट गई थी।

ऑस्ट्रेलियाई सांसद ने गीता पर हाथ रखकर ली शपथ

नई दिल्ली । भारतीय मूल के बैरिस्टर वरुण घोष ऑस्ट्रेलिया की संसद में भगवत गीता पर शपथ लेने वाले पहले सीनेटर बन गए। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया की विधानसभा और विधान परिषद ने उन्हें संघीय संसद की सीनेट में ऑस्ट्रेलियाई राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना। इसके बाद उन्हें बतौर सीनेट शपथ ली। शपथ के बाद ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा- हमारी टीम में आपका स्वागत है। वहीं विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा- सीनेटर घोष भगवद गीता पर शपथ लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई सीनेटर हैं।

आज का इतिहास

- 1999 में केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से अमेरिकी अंतरिक्ष यान स्टारडस्ट रवाना हुआ था।
- 1994 में कपिल देव ने टेस्ट मैचों में 432 विकेट लेकर रिचर्ड हैडली के सबसे अधिक विकेट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया था।
- 1986 में दिल्ली हवाई अड्डे पर पहली बार प्रीपेड टैक्सी सेवा शुरू की गई थी।
- 1971 में लाओस पर दक्षिणी वियतनामी सेना ने हमला किया था।
- 1971 में दुनिया के पहले इलेक्ट्रॉनिक शेयर बाजार नैस्डैक की शुरुआत हुई थी।
- 1952 में एलिजाबेथ ब्रिटेन की महारानी और राष्ट्रमंडल देशों की अध्यक्ष बनी थीं।
- 1909 में यूरोपीय देश जर्मनी और फ्रांस के बीच मोरक्को संधि पर साइन किए गए थे।
- 1881 में सिविल सेवक और प्रशासक वीटी कृष्णमाचारी का जन्म हुआ था।
- 1986 में भारतीय महिला क्रिकेटर एकता बिष्ट का जन्म हुआ था।
- 1963 में क्रिकेटर मोहम्मद अजरुद्दीन का जन्म हुआ था।
- 1951 में हिंदी के मंचीय कवियों में से एक अशोक चक्रधर का जन्म हुआ था।

तिब्बत में 22 हजार फीट पर मिले 33 वायरस, 28 के बारे में कुछ पता नहीं

इनमें 15 हजार साल पुराना वायरस भी शामिल, इनके संक्रमण का कोई इलाज नहीं, भारत-चीन और म्यांमार जैसे देशों के लिए खतरा

● नई दिल्ली

तिब्बत में कई ऐसे ग्लेशियर हैं, जो तेजी से पिघल रहे हैं। वहां पर 15 हजार साल पुराना वायरस मिला है। ये वायरस भारत, चीन और म्यांमार जैसे देशों के लिए खतरा हो सकता है। इस प्राचीन वायरस के संक्रमण का कोई इलाज नहीं है। पूरी दुनिया में पर्माफ्रॉस्ट पिघल रहे हैं। प्राचीन जीव, वायरस, बैक्टीरिया जैसी चीजें निकल रही हैं। ये किसी हॉरर फिल्म का सीन नहीं सच्चाई है।

ग्लेशियरों और पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने वूली राइनो से लेकर 40 हजार साल पुराने विशालकाय भेड़िये और 7.50 लाख साल पुराने बैक्टीरिया के निकलने का पता चला है। इनमें से मरे हुए नहीं है। सदियों पुराने मॉस में वैज्ञानिकों ने लैब में वापस जीवन डाल दिया। ये बेहद छोटे 42 हजार साल पुराना राउडवॉर्म हैं।

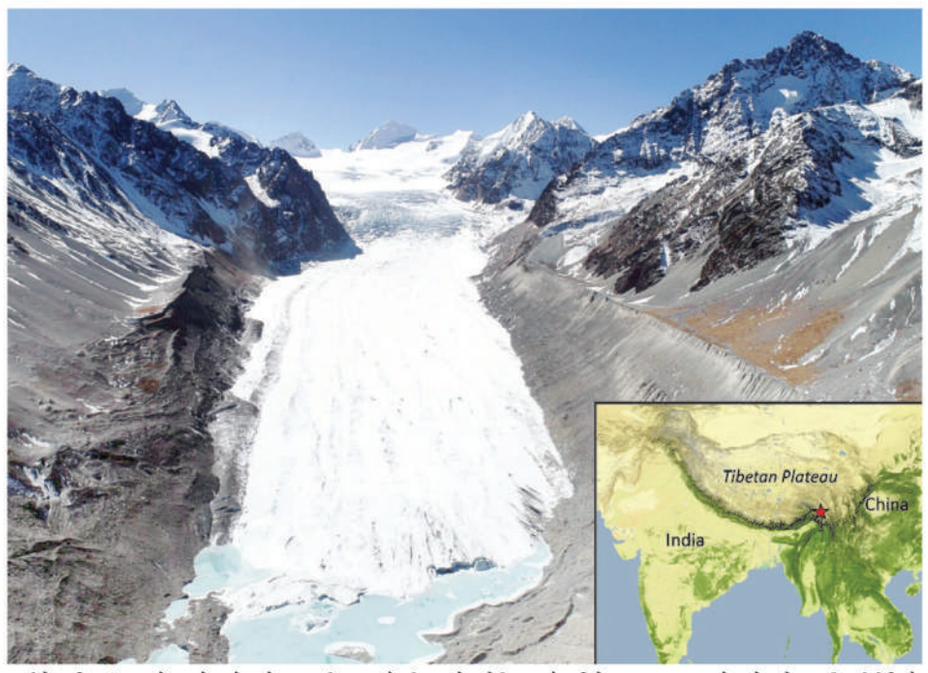

हाल ही में वैज्ञानिकों ने तिब्बत के पठारों पर मौजूद गुलिया आइस कैप के पास से 15 हजार साल पुराना वायरस खोजा है। वो भी एक प्रजाति के नहीं बल्कि कई प्रजातियों के। दर्जनों की संख्या में। ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी के माइक्रोबायोलॉजिस्ट झी-पिंग झॉन्ग ने कहा कि ये इंसानों के लिए किसी भी समय खतरा पैदा कर सकते हैं। ये वायरस समुद्री सतह से 22 हजार फीट की ऊंचाई पर चीन में तिब्बत के पिघलते ग्लेशियर के नीचे से मिले हैं। वैज्ञानिकों 33 वायरस खोजे, जिसमें से 28 के बारे में पूरी दुनिया को कुछ नहीं पता। ये इससे पहले कभी देखे नहीं गए। यानी इनके संक्रमण का कोई इलाज नहीं हो सकता। ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी के दूसरे साइंटिस्ट मैथ्यू सुलिवन ने कहा कि इन वायरसों ने चरम स्थितियों में अपनी जिंदगी बिताई है। ये अब किसी भी तरह के तापमान या मौसम को झेल सकते हैं।

हर मौसम झेल चुके ये वायरस, इन पर किसी चीज का असर नहीं

मैथ्यू ने कहा कि इनके जीन्स का अध्ययन करके पता चलता है कि इनके लिए किसी भी तरह का एक्स्ट्रीम मौसम सामान्य है। इससे पहले तिब्बत के ग्लेशियर में बैक्टीरिया के मिलने का पता चला था। ये इतनी तेजी से हो रहा है कि इंसानों के सामने कठिन भविष्य का संकट खड़ा है। खाली मौसम ही नहीं बल्कि ऐसे खतरों से भी जूझना पड़ेगा।

बिना पानी जीवन मुश्किल, वहीं से आएगा मौत का प्राचीन सामान...

यूनिवर्सिटी ऑफ चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंस के वैज्ञानिकों ने तिब्बती पठारों पर मौजूद 21 ग्लेशियरों के सैंपल जमा किए थे। ये सैंपल 2016 से 2020 के बीच जुटाए गए थे। इनमें 968 प्रजातियों के बैक्टीरिया मिले। जिसमें ने 82 प्रतिशत बैक्टीरिया एकदम नए हैं, जिनके बारे में दुनियाभर के वैज्ञानिकों को कोई जानकारी नहीं है।

ग्लेशियरों से निकलती हैं नदियां, वहीं से आएंगे पुराने बैक्टीरिया-वायरस

पिछले साल तिब्बत के ग्लेशियरों में बैक्टीरिया की 1000 नई प्रजातियां मिली हैं। इनमें से सैकड़ों के बारे में वैज्ञानिकों को कुछ भी नहीं पता। जलवायु परिवर्तन की वजह से ये ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। ये पिघले तो इनका पानी बैक्टीरिया के साथ चीन और भारत की नदियों में मिलेगा, जिसे पीकर लोग नई बीमारियों से संक्रमित हो सकते हैं।

गंगा, ब्रह्मपुत्र नदियों से नीचे की तरफ आएंगे बैक्टीरिया-वायरस

ग्लेशियर और बर्फीली चादरें धरती के 10 प्रतिशत सतह को कवर करते हैं। पृथ्वी पर सबसे ज्यादा साफ पानी का स्रोत इन्ही के पास है। दिक्कत ये है कि हजारों साल से जमा इन ग्लेशियरों के नीचे क्या है। कैसा वातावरण है? कैसे जीव या सूक्ष्मजीव रहते हैं। ये किसी को पता नहीं होता। तिब्बत को वाटर टॉवर ऑफ एशिया भी कहते हैं। यहां से एशिया की कुछ बेहद बड़ी और ताकतवर नदियां निकलती हैं। इन नदियों के आसपास घनी आबादी में लोग रहते हैं। जैसे- यांग्त्जे नदी, यलो रिवर, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी। अगर बैक्टीरिया इन नदियों के सहारे चीन और भारत की आबादी वाले इलाके तक पहुंच गया तो स्थिति बेहद बुरी हो सकती है। इसका नुकसान भारत और चीन को तो होगा ही, इसके अलावा इन नदियों का पानी उपयोग करने वाले अन्य एशियाई देशों को भी होगा।

पाक में आम चुनाव के लिए मतदान आज

पाकिस्तान में वोटिंग से एक दिन पहले दो धमाके, 28 की मौत, 30 लोग घायल

दोनों ब्लास्ट बलूचिस्तान में उम्मीदवारों के ऑफिस के बाहर

● नई दिल्ली

पाकिस्तान चुनाव से एक दिन पहले बलूचिस्तान में दो ब्लास्ट हुए। पहला धमाका पिशिन शहर में हुआ। पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, इसमें 15 लोगों की मौत हुई और 30 घायल हो गए। हालांकि, बाद में मरने वाले की संख्या 12 बताई गई। वहीं करीब 25 लोग घायल हुए। यह धमाका निर्दलीय उम्मीदवार असफंद यार खान काकड़ के ऑफिस के बाहर हुआ। धमाके के दौरान काकड़ दफ्तर में मौजूद नहीं थे। इसके कुछ ही देर बाद दूसरा धमाका बलूचिस्तान के ही किला सैफुल्लाह शहर में जमीयत-उलेमा-ए-इस्लाम पार्टी के कैंडिडेट मौलाना अब्दुल वासे के ऑफिस के बाहर हुआ। वो सुरक्षित हैं। हालांकि, इस हमले में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 25 घायल हुए हैं। दोनों धमाकों में कुल 28 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव और सभी प्रांतों में चुनाव है। पाकिस्तान के इलेक्शन कमीशन ने हमलों को लेकर बलूचिस्तान के चीफ सेक्रेटरी और पुलिस से रिपोर्ट मांगी है।

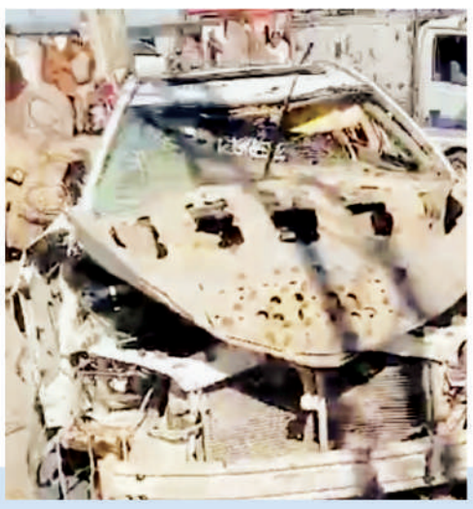

हमलों की जांच जारी : बलूचिस्तान के केयरटेकर सूचना मंत्री जन अचकजई ने कहा- पहला धमाके की प्राइमरी इन्वेस्टिगेशन से पता चला है कि विस्फोटक सामान एक बाइक में रखा था। इस मामले की जांच की जा रही है। वहीं, दूसरे धमाके की वजह सामने नहीं आई है। इधर, बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री अली मर्दान खान डोमकी ने हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा- ऐसी घटनाएं शांतिपूर्ण चुनाव की प्रक्रिया को कमजोर करने की एक साजिश है। हमले में शामिल लोगों को कड़ी सजा दी जाएगा। हम घायलों की मदद के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं।

चुनाव के दौरान बलूच लिबरेशन आर्मी और पाकिस्तान तालिबान के हमले तेज

पाकिस्तान में 8 फरवरी को होने वाले नेशनल और असेंबली इलेक्शन के पहले हिंसा की घटनाएं बढ़ गई हैं। जियो न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के दिनों में बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमले तेज हो गए हैं। बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी और खैबर में पाकिस्तान तालिबान हमले कर रहे हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि सीनेट में कुछ दिन पहले 8 फरवरी को होने वाले इलेक्शन को टालने की मांग की गई थी। हालिया दिनों में आतंकी और हिंसा की बढ़ती घटनाएं किसी साजिश की तरफ इशारा कर रही हैं।

राहुल बोले, ओडिशा में भाजपा और बीजेडी की पार्टनरशिप

राउरकेला । कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा बुधवार को ओडिशा पहुंची। राहुल गांधी ने राउरकेला, सुंदरगढ़ में रोड शो से यात्रा शुरू की। राहुल ने भाषण में आरोप लगाया कि ओडिशा में भाजपा और बीजेडी (बीजू जनता दल) की पार्टनरशिप है। कांग्रेस राज्य के लोगों की भलाई के लिए इनका विरोध कर रही है। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं कि नवीन पटनायक और नरेंद्र मोदी ओडिशा में साझेदारी सरकार चलाते हैं। उन दोनों ने हाथ मिलाया है और मिलकर काम करते हैं। मैंने देखा कि बीजेडी संसद में बीजेपी का समर्थन करती है। भाजपा के कहने पर बीजेडी के लोग

भी हमें परेशान करते हैं। मैं नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने आया हूं। उन्होंने ओडिशा की बीजेडी सरकार पर भी हमला बोलते हुए कहा कि राज्य से लगभग 30 लाख लोग आजीविका के लिए मजदूरों के रूप में दूसरे राज्यों में चले गए हैं, क्योंकि राज्य सरकार उनके लिए काम नहीं कर रही है। वहीं ओडिशा के बाहर से 30 करोड़पति राज्य की संपत्ति लूटने के लिए यहां आए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में नया वर्किंग लॉ बिल: ऑफिस के बाद बॉस का फोन भी उठाना जरूरी नहीं

केनबरा । ऑस्ट्रेलिया की संसद में इस हफ्ते कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए एक नया बिल लाया जा रहा है। इसके तहत ड्यूटी खत्म होने के बाद कर्मचारी को बॉस की कॉल अटैंड करना जरूरी नहीं होगा। इसके अलावा, कर्मचारी को ड्यूटी के बाद ऑफिस का कोई काम नहीं कराया जा सकेगा। बिल के ड्राफ्ट के मुताबिक- अगर कोई अधिकारी अपने कर्मचारी को ड्यूटी खत्म होने के बाद किसी भी तरह का काम करने लिए मजबूर करता है या दबाव डालता है तो उसे तगड़ा हर्जाना देना होगा। इस बिल का पास होकर कानून बनना तय है। इसकी वजह है कि सरकार के अलावा विपक्ष भी इस बिल का पूरा समर्थन कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया के सोशल एक्टिविस्ट और कर्मचारी संगठन लंबे वक्त से मांग कर रहे थे कि देश में वर्किंग कल्चर को सुधारा जाए। इसके अलावा यह मांग भी लगातार उठ रही थी कि देश में बॉस कल्चर को सुधारकर वर्क-लाइफ बैलेंस किया जाए। इसके बाद एम्प्लॉटमेंट मिनिस्टर टोनी बर्की ने इस बिल का ड्राफ्ट तैयार किया।

श्रीनगर में टारगेट किलिंग: आतंकियों ने पंजाब के 2 युवकों को गोली मारी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बुधवार शाम 7 बजे के करीब आतंकियों ने टारगेट किलिंग को अंजाम दिया। हब्बा कदल इलाके में सिख समुदाय के दो लोगों को एके सीरीज राइफल से गोली मारी गई। अमृतसर के रहने वाले अमृत पाल (31) की मौके पर ही मौत हो गई। अमृतसर के ही रहने वाले रोहित (25) को पेट के बायीं तरफ गोली लगी है। उसका एसएमएचएस अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की तलाश जारी है। खुफिया एजेंसियों ने बताया था कि टारगेट किलिंग पाकिस्तान की कश्मीर में अशांति फैलाने की नई साजिश है।

एक की मौत, हमलावरों की तलाश जारी

महिला से 7 दिन तक रेप, गर्म दाल से जलाया

नई दिल्ली दिल्ली में दार्जीलिंग की एक महिला के साथ उसके दोस्त ने 7 दिन तक रेप किया। आरोपी ने न केवल पीड़ित को पीटा, बल्कि गर्म दाल डालकर टॉर्चर भी किया। घटना 30 जनवरी को सामने आई थी। दिल्ली के नेब सराय पुलिस स्टेशन में कॉल आया था, जिसमें बताया गया कि एक महिला को उसका पति पीट रहा है। इसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। यहां पीड़ित महिला को बचाया और एम्स पहुंचाया।

शरीर पर चोट के 20 निशान, दिल्ली में पीड़ित का कुक दोस्त गिरफ्तार

महिला के शरीर पर चोट के 20 निशान पाए गए। पुलिस ने आरोपी को 2 फरवरी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान पारस (28) के रूप में हुई है। वह उत्तराखंड का रहने वाला है और दिल्ली में एक होटल में कुक था। आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 376 (रेप) और 377 (अननैचुरल सेक्स) के तहत मामला दर्ज किया है। नौकरी के लिए बेंगलुरु जा रही थी महिला पुलिस को महिला ने बताया कि महिला को नौकरी के लिए जनवरी के पहले हफ्ते में बेंगलुरु पहुंचना था। उसकी ट्रेन दिल्ली से होकर जानी वाली थी, इसलिए उसने पारस से मिलने का फैसला किया। पारस ने महिला को दिल्ली में ही रोक लिया और यही नौकरी ढूंढने में मदद के करने के लिए भी कहा।

इसके बाद महिला दिल्ली में ही किराए के एक मकान में पारस के साथ रहने लगी। हालांकि, जैसे-जैसे दिन बीतते गए, आरोपी ने महिला को टॉर्चर करना शुरू कर दिया।

जिम्बाब्वे में मृत्यु दंड की सजा खत्म करने का फैसला

नई दिल्ली । जिम्बाब्वे की सरकार ने कहा है कि वो देश में मृत्यु दंड की सजा खत्म करने जा रही है। सूचना मंत्री जेनफैन मुसवेरे ने बताया कि राष्ट्रव्यापी सलाह मशविरे के बाद इस सजा को खत्म करने का फैसला लिया गया है। जिम्बाब्वे में पिछले 20 सालों में किसी भी व्यक्ति को फांसी नहीं दी गई है। माना जा रहा है कि इस फैसले के बाद ऐसे कैदियों की सजा अब तकनीकी रूप से आजीवन कारावास में बदल जाएगी। हालांकि मृत्यु दंड से जुड़े कानून में ये बदलाव किस तारीख से प्रभावी होगी, इस पर सरकार ने कोई घोषणा नहीं की है।

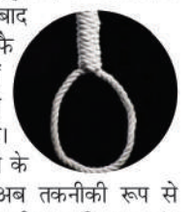

Filmi तड़का

मुझे रोल मत देना नहीं तो... अल्फा मेल फेमिनिस्ट हो जाएगा

कंगना रनौत ने दिया एनिमल डायरेक्टर को जवाब

मुंबई । डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने हाल ही में कंगना रनौत के साथ काम करने की इच्छा जताई थी। अपने पास वांगा का ऑफर आने से पहले ही कंगना ने इसे रिजेक्ट कर दिया है। वांगा की लेटेस्ट फिल्म एनिमल की आलोचना कंगना रनौत ने की थी। इसे लेकर डायरेक्टर ने अपना रिएक्शन दिया और कहा कि उन्हें इससे खास फर्क नहीं पड़ता। साथ ही उन्होंने कंगना और उनके काम की तारीफ भी की। एक इंटरव्यू में संदीप रेड्डी वांगा ने कहा, अगर मुझे मौका मिला और मुझे लगा कि वो मेरी कहानी में फिट होंगी, तो मैं जाऊंगा और उन्हें कहानी सुनाऊंगा। मुझे क्वीन और बाकी फिल्मों में सही में उनकी परफॉरमेंस काफी अच्छी लगी थी। तो अगर वो एनिमल के बारे में कोई निगेटिव कमेंट कर रही हैं तो मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं। मैं गुस्सा भी नहीं होता, क्योंकि मैंने उनका काम देखा है। मुझे बुरा नहीं लगता।

वांगा की इस बात का जवाब भी कंगना रनौत ने दे दिया है। उन्होंने ट्विटर (अब एक्स) पर पोस्ट कर वांगा को हिदायत दी है कि उन्हें कभी अपनी फिल्म ऑफर न करें। कंगना ने लिखा, समीक्षा और निंदा एक नहीं होते, हर तरह की कला की समीक्षा और चर्चा होनी चाहिए यह एक सामान्य बात है। संदीप जी ने जैसे मेरी समीक्षा पर मुस्कुराते हुए मेरे प्रति आदर का भाव दिखाया, ये कहा जा सकता है कि वो सिर्फ मर्दाना फिल्में ही नहीं बनाते, उनके तेवर भी मर्दाना हैं, धन्यवाद सर। एक्ट्रेस ने आगे लिखा, लेकिन कृपा करके मुझे कभी कोई रोल मत देना नहीं तो आपके अल्फा मेल हीरोज फेमिनिस्ट हो जाएंगे और फिर आपकी फिल्में भी पिट जाएंगी। आप ब्लाकबस्टर बनाओ फिल्म इंडस्ट्री को आपकी जरूरत है।

'एनिमल' के बाद 4 करोड़ फीस ले रहीं रश्मिका

मीडिया रिपोर्ट्स पर एक्ट्रेस ने दिया रिएक्शन बोलीं- 'मुझे सचुमच ऐसा करना चाहिए'

पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' में रणबीर कपूर के अपोजिट रश्मिका मंदाना भी नजर आई थीं। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट रही और इसने वर्ल्डवाइड 900 करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनेस किया। चर्चा थी कि फिल्म की सफलता को देखते हुए रश्मिका ने अपनी फीस बढ़ा ली है और अब वो एक फिल्म के लिए 4 से साढ़े 4 करोड़ रुपए की डिमांड कर रही हैं। अब खुद रश्मिका ने एक ट्वीट करते हुए इन मीडिया रिपोर्ट्स पर अपना रिएक्शन दिया है। रश्मिका ने ट्वीट कर लिखा, 'हैरान हूं कि ऐसा कौन कह रहा है... ये सब देखने के बाद मुझे लगता है कि मुझे सच में ऐसा करना चाहिए... और अगर मेरे प्रोड्यूसर्स पूछते हैं कि क्यों.. तो मैं बस यही कहूंगी कि मीडिया ऐसा कह रही है सर... और मुझे लगता है कि मुझे उनकी बातों पर खरा उतरना चाहिए... मैं क्या करूं?

संक्षिप्त खबरें

ईआईडी पैरी का लाभ घटा

चेन्नई। चीनी उत्पादक ईआईडी पैरी इंडिया लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ एक साल पहले की तुलना में आधे से भी कम होकर 216.52 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने एक साल पहले की समान तिमाही में 481.60 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। अक्टूबर-दिसंबर, 2023 की अवधि में कंपनी की कुल आय घटकर 7,811.32 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इसकी आय 9,855.36 करोड़ रुपये रही थी। ईआईडी पैरी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में उसने कुल 1,323.27 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया।

पिडिलाइट का नया संयंत्र

नई दिल्ली। पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने प्रमुख टाइल एडहैसिव ब्रांड रॉफ के लिए अपना एक नया संयंत्र स्थापित किया है। 11000 वर्ग मीटर में फैला यह प्लांट पूरी तरह से ऑटोमेटेड तकनीक पर आधारित है। इस प्लांट के शुरू होने से बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बाजारों में कंपनी के उत्पादों को समय पर पहुंचाने में काफी सुविधा होगी। यह जानकारी देते हुए कंपनी के एमडी भरत पुरी ने कहा कि यह ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट इस इंडस्ट्री को आधुनिक बनाने और भारत में टाइल्स और पत्थरों को अधिक मजबूती के साथ पकड़ बनाए रखने, फिक्स करने या जोड़ने के तरीके को बदलने की हमारी योजना का हिस्सा है।

टीआरएफ का विलय नहीं

नई दिल्ली। टाटा स्टील ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने सहयोगी कंपनी टीआरएफ लिमिटेड के प्रदर्शन में आ रहे सुधार को देखते हुए उसका विलय नहीं करने का फैसला किया है। टाटा स्टील ने पहले टीआरएफ, टाटा स्टील लॉन्ग प्रोडक्ट्स, टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया, टाटा मेटालिक्स, द इंडियन स्टील एंड वायर प्रोडक्ट्स, टाटा स्टील माइनिंग लिमिटेड और एस एंड टी माइनिंग कंपनी समेत नौ रणनीतिक कारोबारों के एकीकरण की योजना घोषित की थी। टाटा समूह की कंपनी ने बयान में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने टीआरएफ का विलय करने की योजना पर आगे न बढ़ने का फैसला किया है।

एथर का सौर ऊर्जा संयंत्र

मुंबई। एथर इंडस्ट्रीज गुजरात के भरूच में निजी इस्तेमाल के लिए 15 मेगावाट की एक सौर ऊर्जा परियोजना चालू करेगी। यह परियोजना गुजरात के भरूच जिले में 60 एकड़ में स्थापित की जाएगी। सौर ऊर्जा संयंत्र की चरणबद्ध शुरुआत अगले वित्त वर्ष के आरंभ में होने की संभावना है। हालांकि कंपनी ने इस परियोजना के लिए पूंजीगत व्यय का ब्योरा नहीं दिया है। एथर इंडस्ट्रीज इसके पहले जुलाई, 2023 में भी निजी उपभोग के लिए 16 मेगावाट की एक सौर ऊर्जा परियोजना चालू कर चुकी है। कंपनी की नई सौर परियोजना उसके नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में वृद्धि करेगी।

नेस्ले का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली। रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही का शुद्ध लाभ 4.38 प्रतिशत बढ़कर 655.61 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 628.06 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी शुद्ध आय 8.27 प्रतिशत बढ़कर 4,583.63 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही यह 4,233.27 करोड़ रुपये थी। दिसंबर तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 6.11 प्रतिशत बढ़कर 3,636.94 करोड़ रुपये रहा।

जीएफसीएल निवेश करेगी

नई दिल्ली। गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स की इकाई जीएफसीएल ईवी प्रोडक्ट्स पांच साल में इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी सामग्री की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए 6,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने कहा कि वह अमेरिका, यूरोप व भारत के उच्च मांग वाले क्षेत्रों में प्रवेश करने को तैयार है। कंपनी ने बड़े वैश्विक ग्राहकों के साथ गठजोड़ शुरू कर दिया है, जो उसकी क्षमता तथा पेशकश में भरोसे को बताता है। 'गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स की पूर्ण अनुषंगी कंपनी जीएफसीएल ईवी प्रोडक्ट्स (जीएफसीएल ईवी) ने अगले चार-पांच वर्षों में 6,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है।'

एआई पर सहयोग बढ़ाएं भारत और अमेरिका

■ माइक्रोसाफ्ट सीईओ नडेला की सलाह ■ नियमों व मानदंडों पर काम करें दोनों देश

मुंबई (भाषा)।

दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसाफ्ट के प्रमुख सत्या नडेला ने बुधवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संबंधित नियमों और अन्य मानदंडों पर भारत और अमेरिका के बीच सहयोग बढ़ाने की वकालत की। भारत में पले-बढ़े नडेला ने कहा कि एआई पर भारत और अमेरिका के बीच व्यापक साझेदारी से आर्थिक वृद्धि के समान वितरण में भी मदद मिल सकती

■ एआई शक्तिशाली तकनीक, इसे दुनियाभर में तेजी से फैलाने की जरूरत

है। नडेला ने यहां माइक्रोसॉफ्ट के एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कहा कि एआई एक शक्तिशाली नई प्रौद्योगिकी है जिसे दुनिया के हर कोने में तेजी से 'प्रसारित' करने की जरूरत है।

भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आए नडेला ने कहा, 'मुझे लगता है कि खास तौर पर भारत और अमेरिका के लिए यह जरूरी है कि वे इस पर सहयोग करने में सक्षम हों और संबंधित मानदंडों एवं नियमों को तय करें।' वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अमेरिका और भारत के बीच सहयोग से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

इस मौके पर नडेला ने यह ऐलान भी किया कि माइक्रोसॉफ्ट वर्ष 2025 तक भारत में 20 लाख लोगों को एआई में दक्ष बनने के अवसर मुहैया कराएगी। उन्होंने भारत को उच्च वृद्धि दर वाले बाजारों में से एक बताते हुए कहा कि एआई देश में जीडीपी वृद्धि को गति देने में मदद कर सकती है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने की म्युज़िक लाइसेंसिंग अथॉरिटी की पुष्टि

नई दिल्ली (वि)। एक उल्लेखनीय फैसले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने कॉपीराइट सोसाइटी के रूप में पंजीकरण की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए म्युज़िक लाइसेंसिंग के दिग्गजों फोनोग्राफिक परफोर्मेन्स लिमिटेड (पीपीएल) और नोवेक्स कम्युनिकेशन्सल प्रा. लिमिटेड (नोवेक्स) के द्वारा कॉपीराइट मालिकों के रूप में लाइसेंस जारी करने के अधिकारों को स्पष्ट रूप से बरक़रार रखा है।

पिछले दिनों सुनाया गया यह ऐतिहासिक फैसला साइडंड रिकॉर्डिंग लाइसेंस के लिए मालिक के अधिकारों के दायरे पर लम्बे समय से चल रही बहस को हल करता है। जी.बी. अय्यर, एमडी एवं सीईओ, पीपीएल ने कहा, कानूनी लड़ाई में पीपीएल की जीत, न सिर्फ बल्कि पूरे संगीत उद्योग की जीत है।

वेज थाली हो गई महंगी

क्रिसिल की 'राइस रोटी रेट' रिपोर्ट

■ नॉनवेज थाली की लागत घटी

मुंबई (भाषा)।

घर में बनी शाकाहारी थाली जनवरी महीने में सालाना आधार पर पांच प्रतिशत महंगी हो गई जबकि मांसाहारी थाली 13 प्रतिशत सस्ती हो गई। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स (एमआईएंडए) रिसर्च की तरफ से जारी 'राइस रोटी रेट' रिपोर्ट अनुमान के मुताबिक, जनवरी में दाल, चावल, प्याज और टमाटर जैसी वस्तुओं के दाम बढ़ने से घर में बनी शाकाहारी थाली महंगी हो गई। वहीं पोल्ट्री दरों में गिरावट से मांसाहारी थाली के दामों में गिरावट आई।

- शाकाहारी थाली के दाम पांच फीसद बढ़े
- नॉनवेज की लागत तेरह फीसद कम हुई
- दाल, चावल प्याज, टमाटर के दाम बढ़े
- पोल्ट्री के दाम में गिरावट से नॉनवेज की लागत में कमी

रिपोर्ट कहती है कि प्याज और टमाटर की कीमतों में पिछले महीने सालाना आधार पर क्रमशः 35 प्रतिशत और 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने से शाकाहारी थाली की लागत बढ़ गई है। शाकाहारी थाली में 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले चावल के दाम 14 प्रतिशत बढ़े जबकि नौ प्रतिशत हिस्सा रखने वाली दालों की कीमतें 21% बढ़ीं। मांसाहार के शौकीन लोगों के लिए पिछला महीना लागत के लिहाज से राहत लेकर आया। पिछले साल के समान महीने की तुलना में इस साल जनवरी में उत्पादन बढने से ब्रॉयलर मुर्गे की कीमतें 26 प्रतिशत गिरने से मांसाहारी थाली की लागत में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि शाकाहारी और मांसाहारी थाली दोनों की ही कीमतें दिसंबर, 2023 की तुलना में जनवरी, 2024 में क्रमशः छह प्रतिशत और आठ प्रतिशत कम हुई हैं।

भारत व्यवस्थित तरीके से ऊर्जा बदलाव को लेकर भरोसेमंद वृद्धि की रूपरेखा के पक्ष में

बेतुल (गोवा), (भाषा)।

भारत ने बुधवार को व्यवस्थित तरीके से हरित ऊर्जा की ओर बदलाव के लिए एक भरोसेमंद वृद्धि रूपरेखा तैयार किए जाने की वकालत की। उसने कहा कि कोयला और पेट्रोल जैसे जीवाश्म ईंधन की आलोचना करने की जगह एक संतुलित और सार्थक बातचीत की जरूरत है। यहां भारत ऊर्जा सप्ताह में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता अपनी तेल खरीद में विविधता लाने के विकल्प तलाश रहा है। इसमें रूस और वेनेजुएला में उपलब्ध अवसर का उपयोग भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आयात के स्रोतों के विविधीकरण और गैस मूल्य निर्धारण व्यवस्था में बदलाव सहित क्षेत्र में हाल में किए गए सुधारों ने भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट सुनिश्चित की, जबकि वैश्विक स्तर पर कीमतें बढ़ रही थीं।

कच्चे तेल की मांग में वृद्धि का सबसे बड़ा केंद्र बनेगा भारत

■ वर्ष 2027 तक निकलेगा चीन से आगे ■ वर्ष 2030 में होगी 66 लाख बीपीडी की मांग

बेतुल (गोवा), (भाषा)।

भारत 2027 में वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की मांग में वृद्धि के केंद्र के रूप में चीन से आगे निकल जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने यह अनुमान लगाते हुए कहा है कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था में परिवहन तथा उद्योग की खपत, स्वच्छ ऊर्जा और विद्युतीकरण पर बड़े जोर के बावजूद इस वृद्धि को गति देगी।

पेरिस स्थित एजेंसी ने बुधवार को यहां भारत ऊर्जा सप्ताह में जारी एक 2030 तक भारतीय तेल बाजार परिदृश्य पर एक विशेष रिपोर्ट में कहा कि देश की कच्चे तेल की मांग 2023 में 54.8 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी)से बढ़कर 2030 में 66.4 लाख बीपीडी हो जाएगी। चीन वर्तमान में तेल की मांग का सबसे बड़ा चालक है और भारत इस सूची में नंबर दो पर है। रिपोर्ट में आईईए द्वारा दिए गए आंकड़े घरेलू और निर्यात के लिए कच्चे तेल को ईंधन में बदलने से संबंधित हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, घरेलू खपत करीब 50 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) है।

आईईए के निदेशक (ऊर्जा बाजार एवं सुरक्षा) किसुके सदामोरी ने कहा, 'त्वरित हरित ऊर्जा कदमों के बावजूद 2030 तक भारत की तेल मांग तीव्र गति से बढ़ेगी। भारत की वृद्धि दर 2027 में चीन से आगे निकल जाएगी।'

हालांकि, भारत में मांग 2030 में भी चीन से पीछे रहेगी। आईईए में तेल उद्योग एवं बाजार प्रभाग की प्रमुख टोरिल बोसोनी ने कहा, 'जैसा कि विकसित देशों और चीन में तेल की मांग धीमी हो गई है, भारत वृद्धि का सबसे बड़ा स्रोत बन गया है।' भारत वर्तमान में अमेरिका और चीन के बाद कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। वह अपनी तेल जरूरतों का 85 प्रतिशत आयात करता है और घरेलू उत्पादन में गिरावट के कारण यह निर्भरता बढ़ने की संभावना है।

हाइड्रोजन प्लांट और ग्रीन रिफाइनरी पर भारी निवेश करेगा रुइया ग्रुप

बेतुल (गोवा), (भाषा)।

विभिन्न कारोबारों में सक्रिय एस्सार समूह हरित हाइड्रोजन संयंत्र, दुनिया की पहली हरित रिफाइनरी और एलएनजी एवं इलेक्ट्रिक पारिस्थितिकी के निर्माण पर अरबों डालर का निवेश करेगा। समूह के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। पिछले चार वर्षों में 1,40,000 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने के बाद एस्सार समूह अब अपने मौजूदा कारोबारों से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का मजबूत राजस्व अर्जित कर रहा है।

एस्सार कैपिटल के निदेशक प्रशांत रुइया ने यहां आयोजित 'भारत ऊर्जा सप्ताह' के दौरान कहा, 'एस्सार भारत और उसके बाहर टिकाऊ वृद्धि के लिए पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश करके पुनरुत्थान की राह बना रहा है।' उन्होंने कहा कि एस्सार समूह कार्बन कटौती, विकेंद्रीकरण और डिजिटलीकरण के तीन मुख्य विषयों पर केंद्रित होकर हरित भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहता है। रुइया ने कहा, 'भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। ऐसे में एस्सार इसकी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और हरित वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।'

उन्होंने कहा कि एस्सार दुनिया के सबसे बड़े निम्न-कार्बन (नीले हाइड्रोजन) संयंत्रों में से एक और दुनिया की पहली हरित रिफाइनरी बनाने के लिए 3.6 अरब डालर का निवेश करेगा। हालांकि उन्होंने इसका अधिक ब्योरा नहीं दिया। इसके अलावा एस्सार समूह गुजरात में एक गीगावाट की हरित हाइड्रोजन परियोजना विकसित करने पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरित परिवहन के क्षेत्र में एस्सार लंबी दूरी तय करने वाले भारी ट्रकों को कार्बन उत्सर्जन से मुक्त करने के लिए एलएनजी और इलेक्ट्रिक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर ध्यान दे रहा है।

रुइया ने हरित परिवहन और हाइड्रोजन संयंत्रों में किए जाने वाले निवेश का विवरण साझा नहीं किया। इसके अलावा समूह पश्चिम बंगाल में एक ब्लॉक से कोयले की परतों से गैस का उत्पादन भी कर रहा है। रुइया ने कहा कि कोल बेड मीथेन उद्योग में सक्रिय एस्सार ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन लिमिटेड (ईओजीईपीएल) का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में भारत के कुल गैस उत्पादन में अपना योगदान बढ़ाकर पांच प्रतिशत करना है। उन्होंने कहा, 'इन पहलों के साथ एस्सार समूह देश के ऊर्जा बदलाव और टिकाऊ वृद्धि के दृष्टिकोण को आगे बढाने में सबसे आगे है।'

कर्नाटक सरकार से मिलकर काम करेगा ट्रूकॉलर

नई दिल्ली (वि)। पूरी दुनिया में संचार और कॉलर आईडी के सबसे बड़े प्लेटफॉर्म, ट्रूकॉलर ने साइबर अपराध, दूसरों के नाम से लोगों को झांसा देने और धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं का मुकाबला करने और डिजिटल संचार में यूजर्स की सुरक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के साथ साझेदारी की है। सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी तथा ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री, प्रियांक खड़गे की उपस्थिति में इस पहल की शुरुआत की गई। इसका उद्देश्य साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता और कौशल के साथ नागरिकों को सशक्त बनाना है। इस साझेदारी के तहत, ट्रूकॉलर पूरे राज्य में नागरिकों के बीच जागरूकता फैलाने और उन्हें सक्षम बनाने के लिए कई पहलों की शुरुआत करेगा।

इकोनामी के लिए अगले तीन दशक अहम

■ सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था अब भी बना हुआ है भारत : नरेंद्रन

जमशेदपुर (भाषा)।

जमशेदपुर, सात फरवरी (भाषा) टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने कहा है कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत के लिए विकास के मामले में अगले तीन दशक महत्वपूर्ण हैं। नरेंद्रन ने मंगलवार को यहां सिंहभूम चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (एससीसीआई) के एक कार्यक्रम में कहा कि चीन पिछले 30-40 वर्षों के दौरान तेजी से उभरा है लेकिन अगले 30 साल भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।

उन्होंने कहा, 'फिलहाल चीन दुनिया का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक देश है और हम दूसरे स्थान पर हैं। इस्पात क्षेत्र के सामने आने वाली वैश्विक चुनौतियों को देखते हुए हमें इस्पात की कीमतों को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना होगा।' इस्पात उत्पादक कंपनी के प्रमुख नरेंद्रन ने कहा, 'आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढती अर्थव्यवस्था है और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में पिछले दो-तीन वर्षों में तेजी देखी गई है। इसकी वजह से निजी इस्पात कंपनी की आपूर्ति में वृद्धि हुई है।'

हालांकि, नरेंद्रन ने कहा कि टाटा स्टील का जमशेदपुर संयंत्र घनी आबादी वाले इलाके में स्थित होने से इसके और विस्तार की संभावना नहीं रह गई है। उन्होंने टाटा स्टील के विकास में श्रमिकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि कई पीढियों से जुड़ी इस कंपनी में प्रबंधन और श्रमिकों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों ने इसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

■ टाटा स्टील का जमशेदपुर संयंत्र घनी आबादी में होने से नहीं हो सकता विस्तार

डीबीएस के CEO की सैलरी में कटौती

■ बैंक के ग्राहकों को पेश आए डिजिटल गतिरोध की वजह से की गई है यह कटौती

सिंगापुर (भाषा)।

सिंगापुर के अग्रणी बैंकिंग समूह डीबीएस ने बुधवार को कहा कि पिछले साल बैंक के ग्राहकों को पेश आए डिजिटल गतिरोध की वजह से उसके सीईओ पीयूष गुप्ता के 'वैरिएबल पे' में 30 प्रतिशत तक की कटौती कर दी गई है। वैरिएबल पे वेतन का ही एक हिस्सा होता है।

डीबीएस के तिमाही नतीजों में दिए गए विवरण के मुताबिक इस फैसले से गुप्ता के वेतन में 41.4 लाख सिंगापुरी डालर (30.8 लाख अमेरिकी डालर) की कटौती हो जाएगी।

डीबीएस ने कहा, 'निदेशक मंडल ने तय किया है कि समूह प्रबंधन समिति के अन्य सदस्यों और सीईओ के वेतन में कटौती की जानी चाहिए ताकि पिछले साल के डिजिटल गतिरोध के लिए उन्हें जवाबदेह ठहराया जा सके।' गुप्ता ने इस फैसले पर कहा कि समूचा वरिष्ठ प्रबंधन इस गड़बड़ी की जिम्मेदारी स्वीकार करता है। चैनल 'न्यूज एशिया' के मुताबिक, बैंक प्रबंधन के शीर्ष अधिकारियों के वेतन में 21 प्रतिशत की कटौती की गई है।

सिंगापुर के सबसे बड़े बैंक को वर्ष 2023 में कई बार डिजिटल बैंकिंग सेवाओं में गतिरोध का सामना करना पड़ा था। इसकी वजह से सिंगापुर मौद्रिक प्राधिकरण ने डीबीएस को छह महीनों के लिए किसी भी कारोबार अधिग्रहण से रोक दिया था।

एलजी इलेक्ट्रानिक्स ने स्टूडेंट के लिए पेश की सेल्फ लांड्री

नई दिल्ली (भाषा)।

घरेलू उपकरण विनिर्माता एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने बुधवार को 'सेल्फ-लांड्री' सेवा क्षेत्र में उतरने की घोषणा की। वह इसमें 40 लाख डालर (करीब 33.2 करोड़ रुपये) का निवेश करने की योजना बना रही है।

दक्षिण कोरियाई समूह एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने बयान में कहा कि कंपनी ने एक नए व्यावसायिक उद्यम इनोवेटिव सेल्फ-लांड्री सेवा (स्वयं-कपड़े धोने की सेवा) की घोषणा की है जो विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए होगी। कंपनी ने कहा कि वह इस साल के अंत तक ऐसे 200 'सेल्फ-लॉन्ड्री सर्विस सेंटर' खोलने की योजना बना रही है। बयान के अनुसार, वाणिज्यिक वॉशिंग मशीन मल्टी-हाउसिंग व्यवसाय में एलजी का प्रवेश सेवाओं की एक नई श्रृंखला पेश करता है, जो कालेज तथा विश्वविद्यालय के छात्रावासों में सेल्फ-लांड्री समाधान पेश करता है। सेल्फ-लांड्री सेवा एलजी इलेक्ट्रानिक्स द्वारा ग्रेटर नोएडा के एक निजी विश्वविद्यालय में शुरू की जा रही है। वहां 1,500 छात्रों को सेवा प्रदान की जाएगी।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के प्रबंध निदेशक होंग जू जियोन ने कहा, 'शैक्षणिक संस्थानों में स्वयं-कपड़े धोने की सेवा के साथ हम युवा छात्रों के लिए सुविधा प्रदान करने के मकसद से नए व्यवसायिक उद्यम की घोषणा कर रहे है।

एलएनजी को परिवहन ईंधन के रूप में प्रोत्साहन देने की वकालत

नई दिल्ली (भाषा)।

नीति आयोग ने मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों में परिवहन ईंधन के रूप में तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करने की वकालत की है।

आयोग ने 'मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों में परिवहन ईंधन के रूप में एलएनजी' शीर्षक वाली रिपोर्ट में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता सेवाओं (ईईएसएल) की तरह एलएनजी ट्रक खरीदने के लिए एक मांग एग्रीगेटर कंपनी स्थापित करने का सुझाव दिया है। आयोग ने कहा कि भारत का तेजी से बढ़ता ट्रक बाजार उत्सर्जन को कम करने और वृद्धि के लिए निवेश को प्रोत्साहित करने की अपार संभावनाएं प्रदान करता है।

इस बाजार के 2022 के 40 लाख ट्रक से बढ़कर 2050 तक लगभग 1.7 करोड़ ट्रक होने की उम्मीद है। आयोग ने सुझाव दिया कि एलएनजी को बढ़ावा देने के लिए गैर-वित्तीय प्रोत्साहन के रूप में एलएनजी वाहनों के लिए प्राथमिकता वाली लेन पहुंच प्रदान की जा सकती है।

इसमें कहा गया, 'प्रमुख शहरों और सड़कों को पहचानने की जरूरत है और ऐसी प्राथमिकता वाली लेन पहुंच का परीक्षण पहले प्रमुख शहरों और सड़कों पर किया जा सकता है।'

आयोग ने यह भी सुझाव दिया है कि वैकल्पिक ईंधन की स्वीकार्यता को प्रोत्साहित करने के लिए एलएनजी पर चलने वाले हेवी-ड्यूटी ट्रकों को शहरों में प्रवेश करने की अनुमति दी जा सकती है, जबकि डीजल ट्रकों पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है और/या उनपर प्रवेश शुल्क लगाया जा सकता है जैसा कि दिल्ली में सभी डीजल हेवी-ड्यूटी ट्रकों के लिए पर्यावरण मुआवजा शुल्क (ईसीसी) लागू करके किया गया है।

इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट और रांची टेस्ट से भी बाहर हो सकते हैं विराट कोहली

इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट मैचों के लिए जल्द होगा भारतीय टीम का ऐलान

राजकोट,(एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में विराट कोहली की अनुपस्थिति जारी रह सकती है। बीसीसीआई के एक अधिकार ने बताया कि वह राजकोट और रांची में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

धर्मशाला में 6 मार्च से शुरू होने वाले पांचवें टेस्ट के कोहली की उपलब्धता पर भी संदेह बना हुआ है। भारतीय टीम के चयनकर्ता इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए, इस सप्ताह के अंत में सीरीज में बाकी बचे तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम का चयन करेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हुई टेस्ट सीरीज तीन दिन बाद 22 जनवरी को बीसीसीआई ने घोषणा की कि कोहली, व्यक्तिगत कारणों से पहले दो टेस्ट से बाहर हो गए हैं। कोहली भारतीय टीम में शामिल होने के लिए उसी सुबह हैदराबाद पहुंचे थे, लेकिन उसी दिन वहां से चले गए। बीसीसीआई ने उस बयान के बाद से कोहली की अनुपस्थिति पर कोई टिप्पणी नहीं की है, जिसमें कहा गया था, विराट ने कप्तान रोहित शर्मा, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से बात की है और इस बात पर जोर दिया है कि देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। कुछ व्यक्तिगत परिस्थितियां उनकी उपस्थिति और संपूर्ण ध्यान की मांग करती हैं। कोहली के मित्र और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने हाल में अपने यूट्यूब चैनल पर खुलासा किया था कि भारत का यह दिग्गज बल्लेबाज दूसरी बार पिता बनने वाला है और इसलिए वह इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल पा रहे हैं।

तीसरे टेस्ट में बुमराह को मिल सकता है आराम

दूसरा बड़ा सवाल जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंधन का है। उन्होंने दूसरे टेस्ट मैच में 33 ओवर किए थे जिम नौ विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। तीसरे टेस्ट मैच का परिणाम सीरीज में अहम भूमिका निभा सकता है और इसलिए राजकोट में होने वाले मैच में बुमराह को विश्राम देना आसान नहीं होगा। उन्हें हालांकि रांची में होने वाले मैच में विश्राम दिया जा सकता है।

राजकोट टेस्ट में वापसी कर सकते हैं राहुल और जडेजा

दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं रहे मो. सिराज एहतियात के तौर पर आराम दिए जाने के बाद वापसी करने के लिए तैयार हैं। केएल राहुल और पहले टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हुए रवींद्र जाडेजा की फिटनेस की निगरानी बेंगलुरु में एनसीए में की जा रही है। एनसीए फिजियो की अंतिम रिपोर्ट अभी भी नहीं आई है लेकिन दोनों खिलाड़ियों की वापसी की पूरी उम्मीद है। तीसरे टेस्ट के शुरू होने में अभी भी एक सप्ताह से अधिक का समय बचा हुआ है। रवींद्र जडेजा सोशल मीडिया पर लगातार अपनी रिकवरी को लेकर अपडेट दे रहे हैं। जडेजा ने अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, बेहतर हो रहा हूं।

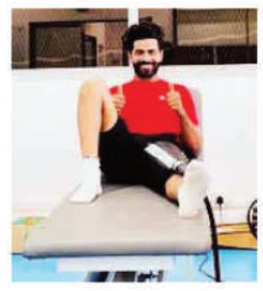

अश्विन और कागिसो रबाडा को पछाड़ते हुए हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग

नंबर वन टेस्ट गेंदबाज बने जसप्रीत बुमराह

यशस्वी ने भी लगाई 37 पायदान की छलांग

दुबई,(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने के बाद विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट गेंदबाज बन गए हैं। बुमराह टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक बनने वाले भारत के पहले तेज गेंदबाज हैं। बुधवार को जारी हुई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में बुमराह ने हमवतन रवि अश्विन और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा को पछाड़ते हुए अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की हैं।

बुमराह के आंकड़े

टेस्ट: 34, विकेट: 155, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी: 6/27

वनडे: 89, विकेट: 149, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी: 6/19

टी20: 62, विकेट: 74, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी: 3/11

अश्विन गेंदबाजों की रैंकिंग में दो स्थान गिरकर तीसरे स्थान पर आ गए है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा दूसरे स्थान बरकरार है। गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले बुमराह भारत के चौथे और पहले तेज गेंदबाज हैं। इससे पहले आर अश्विन, रवींद्र जड़ेजा और बिशन बेदी यह उपलब्धि हासिल हुई है। नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में उछाल लाने वाले बुमराह भारत के एकमात्र खिलाड़ी नहीं हैं, उनके टीम साथी यशस्वी जायसवाल को भी इंग्लैंड के साथ विशाखापट्टनम टेस्ट की पहली पारी के दौरान उनके शानदार दोहरे शतक के बाद युवा खिलाड़ी टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में 37 पायदान चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गए स्पिनर एडम जम्पा ताजा एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में अपने साथी गेंदबाज केशव महाराज शीर्ष पर और जोश हेजलवुड दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ बुमराह ने किया शानदार प्रदर्शन

बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरुआती दो टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया है। दूसरे टेस्ट में उन्होंने टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाई। विशाखापट्टनम में खेले गए इस मुकाबले में उन्होंने पहली पारी में छह विकेट और दूसरी पारी में तीन विकेट लिए थे। वह फिलहाल इस सीरीज में दो मैचों में 15 विकेट लेकर शीर्ष पर हैं। 45 रन देकर छह विकेट उनका इस सीरीज में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन रहा है।

बुमराह तीनों प्रारूप में टॉप पर पहुंचने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज

बुमराह टेस्ट से पहले वनडे और टी20 में भी नंबर एक गेंदबाज रह चुके हैं। ऐसे में टेस्ट में नंबर वन होते ही उन्होंने इतिहास भी रच दिया। वह तीनों प्रारूप में नंबर एक पर पहुंचने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले कोई भी गेंदबाज ऐसा नहीं कर सका था। इतना ही नहीं बुमराह विराट कोहली के खास क्लब में भी शामिल हो गए हैं। वह विराट के अलावा एशिया के पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जिसने तीनों प्रारूप में नंबर एक पायदान हासिल किया हो।

बल्लेबाजों में विलियम्सन शीर्ष पर, विराट को एक पायदान का नुकसान

टेस्ट बल्लेबाजों में भारत के विराट कोहली को दूसरा टेस्ट नहीं खेलने का नुकसान हुआ और वह एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन शीर्ष पर बने हुए हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है और पहले टेस्ट की दो पारियों में दो शतक जड़े हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ एक स्थान की छलांग के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के जो रूट को भारत के खिलाफ दोनों टेस्ट में खराब प्रदर्शन का नुकसान हुआ और वह तीसरे स्थान पर लुढ़क गए हैं।

ऑलराउंडर्स में जडेजा शीर्ष और अश्विन दूसरे स्थान पर कायम

भारत के स्टार रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं, अश्विन दूसरे और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, अक्षर पटेल को भी एक स्थान का फायदा हुआ और वह पांचवें स्थान पर पहुंच गए। जो रूट, जिन्हें हैदराबाद टेस्ट में विकेट लेने का फायदा मिला था, वह दो स्थान लुढ़क कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड ने द. अफ्रीका को 281 रनों से रौंदा

जेमीसन ने 4 और मिचेल सैंटनर ने 3 विकेट झटके

माउंट मॉन्गानुई,(एजेंसी)। रचिन रविंद्र 240 के दोहरे शतक और केन विलियमसन 118 रनों की शतकीय पारी तथा उसके बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 281 रन के विशाल अंतर से हरा दिया है।

न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में भी केन विलियमसन ने 109 रनों की शतकीय पारी खेली और उसके बाद चार विकेट पर 179 रन बनाने के बाद पारी घोषित कर दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 529 रनों का लक्ष्य दिया। 529 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 247 रन पर ढेर हो गई। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडवर्ड मोरे शून्य, नील ब्रांड तीन रन बनाकर पवेलियन लौट गए। डेविड बेडिंग्हम ने सर्वाधिक 87 रन बनाए। रैनार्ड वान टोंडर 31 रन, जुबैर हम्जा 36 रन, कीगन पीटरसन 16, डेन पैटरसन 15 रन बनाकर आउट हुए। क्लाइड फोर्टिन 11 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की पूरी पारी 80 ओवर में 247 रनों पर सिमट गई। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने दो टेस्ट मैचों श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है। न्यूजीलैंड ने बल्लेबाजी करते हुए 511 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जबाव में दक्षिण अफ्रीका की टीम को पहली पारी में 72.5 ओवर में 162 रनों से पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड की ओर से काइल जेमीसन ने चार विकेट लिए। मिचेल सैंटनर ने तीन मिले।

प्रो लीग में भारतीय महिला हॉकी टीम की लगातार तीसरी हार

ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से दी मात

भुवनेश्वर,(एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम बुधवार को कलिंग स्टेडियम में खेली जा रही एफआईएच प्रो लीग 2023-24 में दुनिया की तीसरे नंबर की टीम ऑस्ट्रेलिया से 3-0 से पराजित हो गई। यह मेजबान टीम की लगातार तीसरी हार है। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान ग्रेस स्टेवर्ट (19वें मिनट), टाटम स्टेवार्ट (23वें मिनट) और कैटलिन नोब्स (55वें मिनट) ने गोल दागे। भारत ने मैच में आक्रामक शुरुआत की और खेल के दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लेकिन मेहमान टीम की सतर्क गोलकीपर जो न्यूमैन ने इसे बचा लिया। दोनों टीमों ने अगले कुछ मिनट में गोल करने के कई मौके बनाये लेकिन नाकाम रहीं। ऑस्ट्रेलिया ने पहले क्वार्टर में दबाव बनाया लेकिन भारतीय रक्षण मजबूत बना रहा। दूसरे क्वार्टर में आस्ट्रेलिया ने ग्रेस स्टेवर्ट की मदद से पहला गोल किया। भारतीय टीम ने मौके बनाने के प्रयास किये लेकिन कोई भी सफल नहीं हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर के अंत में एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया जिसे टाटम स्टेवार्ट ने गोल में बदलकर टीम को पहले हाफ में 2-0 से बढ़त दिला दी।

रिकी पोंटिंग बोले- पंत आईपीएल 2024 का पूरा सीजन खेलेंगे

ऋषभ की वापसी पर कोच ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का साल 2022 के अंत में कार एक्सिडेंट हो गया था। पंत को इस एक्सिडेंट में काफी गंभीर चोटें आई थीं। ऐसा लग रहा था कि पंत के लिए क्रिकेट के मैदान पर वापसी बहुत मुश्किल होगी, लेकिन अब उनकी वापसी को लेकर सबसे बड़ा अपडेट सामने आया है।

आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि पंत पूरी तरह से कॉन्फिडेंट हैं कि वह आईपीएल 2024 पूरा सीजन खेल लेंगे। पंत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान हैं और आईपीएल 2023 में वह टीम से बाहर ही रहे थे। दिल्ली कैपिटल्स में पंत और पोंटिंग की केमेस्ट्री काफी दमदार है। इस दौरान पोंटिंग ने साथ ही यह भी कहा कि पंत टीम में वापसी करेंगे, लेकिन कप्तानी करेंगे या नहीं, यह कह पाना मुश्किल है। रिकी पोंटिंग ने कहा, ऋषभ पंत पूरी तरह से कॉन्फिडेंट है कि आईपीएल 2024 पूरा खेलना उसके लिए सही होगा। लेकिन वह क्या-क्या कर पाएगा, इसको लेकर अभी हम श्योर नहीं हैं। आपने सोशल मीडिया पर सारी चीजें देखी हैं, वह अब खड़ा हो चुका है और दौड़-भाग रहा है। लेकिन आईपीएल 2024 शुरू होने में महज छह सप्ताह बचे हैं, तो अभी हम इस बात को लेकर श्योर नहीं हैं कि क्या वह विकेटकीपिंग करेगा? लेकिन मैं एक बात की गारंटी देता हूं कि मैं अगर उससे अभी पूछूंगा तो वो यही कहेगा मैं हर मैच खेलूंगा, हर मैच में विकेटकीपिंग करूंगा, और मैं नंबर-4 पर बैटिंग करूंगा। वह ऐसा ही है, लेकिन हमें अपने फिंगर क्रॉस रखने चाहिए। पोंटिंग ने आगे कहा, वह जबर्दस्त खिलाड़ी है, बेशक वह हमारा कप्तान है, हमें पिछले साल उसकी कमी बहुत ज्यादा खली थी।

एसीपीएल टी-20 ऑक्शन में जेपी यादव हुए सम्मानित

भोपाल,(खेसं)। भोपाल में स्थित अस्तित्व एनर्जीस सोलर कंपनी द्वारा आयोजित मध्य प्रदेश की पहली अस्तित्व कॉरपोरेट प्रीमियर लीग का इफोटल बाय सयाजी में भव्य ऑक्शन आयोजित किया गया। इस टूर्नामेंट में शहर के नामी ग्रामी उद्योगपति क्रिकेट एवं अन्य जाने-माने सितारों ने शिरकत की। आयोजन में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जेपी यादव का सम्मान कंपनी कि डायरेक्टर आलोक तिवारी द्वारा किया गया। वहीं आरजे पीहू का सम्मान कंपनी कि डायरेक्टर अभय शर्मा द्वारा किया गया । साथ ही फूसी ई-बाइक के डायरेक्टर सोनी शर्मा द्वारा मैन ऑफ द सीरीज की ए बाइक की घोषणा की गई। एसीपीएल 24 फरवरी से ओल्ड कैम्पियन मैदान पर खेला जाएगा

अमित व आकाश स्ट्रैंड्जा मुक्केबाजी के क्वार्टरफाइनल में

सोफिया,(एजेंसी)। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल, राष्ट्रीय चैंपियन आकाश और अभिमन्यु लौरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को यहां 75वें स्ट्रैंड्जा मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अमित ने 51 किग्रा भार वर्ग में यूक्रेन के रुडिक मैक्सीम पर 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला शुक्रवार को मंगोलिया के एल्डारखिशिग बटुल्गा से होगा। आकाश (71 किग्रा) में फ्रांस के ट्राओरे माकन के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज करने में सफल रहे। उनका अगला मुकाबला शुक्रवार को आयरलैंड के मैकीवर यूजीन से होगा। अभिमन्यु (80 किग्रा) ने फ्रांस के मोनी राफेल के खिलाफ 5-0 के अंतर से जीत हासिल की। वह शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में चीन के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तुओहेटेरबीके तंगलातिहान से भिड़ेंगे। क्वार्टरफाइनल के मुकाबले गुरुवार से शुरू हो जाएंगे जिसमें महिला वर्ग में निखत जरीन (50 किग्रा) का मुकाबला फ्रांस की लखदिरी वासिला से, साक्षी (57 किग्रा) का उज्बेकिस्तान की मामाजोनोवा खुमोराबोनू से और अरुंधति चौधरी (66 किग्रा) का सर्बिया की माटोविच मिलिना से होगा।

सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के फाइनल में आज भारत-बांग्लादेश के बीच होगी कांटे की जंग

ढाका,(एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम गुरुवार को जब सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के फाइनल में मेजबान बांग्लादेश से भिड़ेगी तो उसकी निगाहें मिथक तोड़कर खिताब हासिल करने पर होंगी। भारत में महिला फुटबॉल में सुधार के बावजूद आयु वर्ग की प्रतियोगिताओं में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। भारतीय महिला टीम को सैफ प्रतियोगिताओं में एक से अधिक बार खिताब से हाथ धोना पड़ा था। वह पिछले साल ही सैफ अंडर-20 प्रतियोगिता के फाइनल में बांग्लादेश से हार गई थी। भारतीय टीम के पास अपने रिकॉर्ड में सुधार करने का यह शानदार मौका है। भारतीय टीम ने वर्तमान प्रतियोगिता में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने ग्रुप चरण में भूटान (10-0) और नेपाल (4-0) को आसानी से हराया था लेकिन बांग्लादेश से वह एकमात्र गोल से हार गयी थी। भारतीय टीम ने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने के कारण फाइनल में जगह बनाई। भारत अब बदला चुकता करने के लिए मैदान पर उतरेगा लेकिन बांग्लादेश को पराजित करना इतना आसान नहीं है।

शमी बोले-जिस दिन लगेगा कि क्रिकेट से बोर हो गया हूं, सुबह उठकर संन्यास के लिए ट्वीट कर दूंगा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। टखने की चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नहीं खेल रहे भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपने क्रिकेट से संन्यास को लेकर एक बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि जिस भी दिन मुझे लगेगा कि क्रिकेट से बोर हो गया हूं। उसी वक्त सुबह उठकर संन्यास के लिए ट्वीट कर दूंगा। तेज गेंदबाज शमी ने हाल ही में हुए वनडे वर्ल्ड कप 2023 में सबसे ज्यादा 24 विकेट झटके थे। इसके बाद उन्हें टखने में चोट लगी। हालांकि यह चोट कब लगी, इसका खुलासा नहीं हो सका। फिलहाल, शमी इसी चोट के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। इसी बीच शमी ने अपने संन्यास को लेकर बात करते हुए कहा, मुझे किसी चीज का लोड लेने की जरूरत नहीं है और ना ही मुझे कोई समझाने वाला है। ना ही मेरे फैमिली में कोई मुझे कुछ कहता है।

कनिष्क दुबे ने ठोका दोहरा शतक निखिल ने खेली 173 रन की पारी

हुकुम सिंह ठाकुर स्मृति दो दिवसीय क्रिकेट

भोपाल,(खेसं)। भोपाल संभाग क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित स्वर्गीय हुकुम सिंह ठाकुर स्मृति दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता (90 ओवर्स) में बुधवार को डीपीएस ग्राउंड पर पहले मैच में रेलवे युथ क्रिकेट अकादमी की टीम ने 89.4 ओवर में 328 रन बनाकर ऑलआउट हुई। एमसीसीए सीनियर के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने उतरी रेलवे युथ क्रिकेट के लिए निखिल ने 173, अनुराग ने 92 और संस्कार ने 36 रनों का योगदान दिया। एमसीसीए सीनियर्स की तरफ से अरबाज उद्दीन ने 5 और शिवांश चतुर्वेदी ने 4 विकेट लिए। जवाबी पारी खेलने उतरी एमसीसीए सीनियर ने 9 ओवर मे एक विकेट खोकर 35 रन बना लिए है। एक अन्य मैच एस क्रिकेट अकादमी के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए अंकुर क्रिकेट अकादमी ने 90 ओवर मे 9 विकेट खोकर 374 रन बनाए। जिसमे कनिष्क दुबे ने 231 रन की शतकीय पारी खेली। वहीं अयान श्रीराज ने 48, मल्हार त्रिपाठी ने 30 रन बनाए। एस क्रिकेट अकादमी की तरफ से ओजस अग्रवाल ने 3 आदित्य सिंह विकेट लिए। कॉर्पोरेट ग्रुप के पहले मैच में मास्टर्स इलेवन के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए मीडिया इलेवन की पूरी टीम 15.4 ओवर मे 92 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाबी पारी खेलने उतरी मास्टर्स इलेवन ने विवेक सूर्यवंशी के 47 रन की बदौलत जरुरी रन 13.5 ओवर मे 5 विकेट खोकर बना लिए। दूसरा मैच ने एनडीआईपीएल के खिलाफ हमीदिया इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर मे 7 विकेट खोकर 145 रन बनाए। जवाब में एनडीआईपीएल ने 15 ओवर में 146 रन बनाकर 8 विकेट से मैच जीत लिया।

खेलो इंडिया विन्टर गेम्स — उद्रेका ने हासिल किए 2 पदक, मप्र पदक तालिका में छठे पायदान पर

प्रदेश के स्केटिंग खिलाड़ियों ने 1 स्वर्ण समेत 4 पदक जीते

भोपाल,(खेसं)। लेह एवं गुलमर्ग में आयोजित खेलो इंडिया विन्टर गेम्स 2024 की आइस स्केटिंग में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण, 1 रजत और 02 कांस्य सहित कुल 4 पदक अर्जित किए। यह पहला अवसर है, जब मध्यप्रदेश को विन्टर गेम्स में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ है। मप्र 4 पदक के साथ पदक तालिका में छठे पायदान पर पहुच गया हैं।

आइस स्केटिंग में मध्यप्रदेश के कुल 10 खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता की थी। मध्यप्रदेश में आइस स्केटिंग की कोई सुविधा उपलब्ध नही है। इसके बावजूद भी खिलाड़ियों ने प्रशिक्षक वैभव अग्रवाल के मार्गदर्शन में टेऊनिंग कर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। मध्यप्रदेश की प्रतिभावान महिला खिलाड़ी उद्रेका सिंह ने लांग ट्रेक के 500 मी. इवेन्ट में स्वर्ण पदक अर्जित किया है। लद्दाख की सकारमा तसुलतिम ने रजत और लद्दाख की ही पडमा अंगमो ने कांस्य पदक अर्जित किया। लद्दाख में विंटर स्पोर्ट्स की सभी सुविधायें उपलब्ध हैं, इसके पश्चात भी उद्रिका सिंह ने यह स्वर्णिम सफलता अर्जित की है। इसके अलावा शार्ट ट्रेक 300 मी. के व्यक्तिगत इवेन्ट में उद्रिका सिंह ने कांस्य पदक अर्जित किया। तेलंगाना ने स्वर्ण और महाराष्ट्र ने रजत पदक अर्जित किया। इसी प्रकार मध्यप्रदेश के खिलाड़ी हर्ष कसौंधान, योगेश शर्मा और सुजल साहू की टीम ने शार्ट टेऊक 1600 मी. मेन्स रिले में रजत पदक अर्जित किया। महाराष्ट्र ने स्वर्ण पदक और हरियाणा ने कांस्य पदक अर्जित किया। पदक विजेता खिलाड़ियों को मान मंत्री जी विश्वास कैलाश सारंग, संचालक खेल रवि कुमार गुप्ता ने प्रशंसा करते हुये अपनी बधाई दी हैं। खेलो इंडिया विन्टर गेम्स 2024 में देश भर के 1200 प्रतिभागी ने प्रतिभागिता की, जिसमें 700 खिलाड़ी, 141 सपोर्ट स्टॉफ, 113 टेक्निकल आफीसियल्स और 250 से अधिक वॉलिंटियर शामिल हुए।

दूसरे टेस्ट में हार के बाद अबुधाबी वापस लौटी इंग्लैंड टीम

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर है। जहां पहला हैदराबाद टेस्ट इंग्लैंड ने जीता तो वहीं विशाखापट्टनम टेस्ट भारत ने जीता है। हालांकि, दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के प्रदर्शन से कोच ब्रैंडन मैकुलम बेहद संतुष्ट हैं। दरअसल, मैकुलम ने कहा है कि दो टेस्ट मैचों के बाद 1-1 का स्कोर इस बात का स्पष्ट संकेत है कि हम मुकाबले में हैं। उन्होंने कहा कि हमने पिछले दो टेस्ट मैचों में काफी अच्छी क्रिकेट खेली है। हां, हम दूसरे टेस्ट में हारे लेकिन पहले मैच को जीतने में सफल रहे थे। विशाखापट्टनम में दूसरे टेस्ट के बाद इंग्लैंड की टीम अबुधाबी वापस चली गई है। वे 15 फरवरी से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले यानी 12 फरवरी को राजकोट पहुंचेंगे। मैकुलम ने कहा कि अबुधाबी में इस बार टीम के लिए उस तरह का सत्र नहीं होगा जैसा कि भारत दौरे की शुरूआत से पहले हुआ था। उन्होंने कहा कि, वहां पर पूरे समय अभ्यास नहीं होगा। हमारे खिलाड़ियों ने अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत की थी और उसके बाद ही भारत पहुंचे थे। उन्होंने आगे कहा कि, दो अलग-अलग टेस्ट मैच थे और हमारे लिए ये गर्मी से दूर जाने का एक मौका है। मैं राहुल द्रविड़ से बात कर रहा था और उन्होंने बताया कि उनके सभी खिलाड़ी अपने घर जा रहे हैं। हमारे लिए घर थोड़ा दूर है, इसलिए हमने अबुधाबी को चुना और हम परिवार के साथ आनंद लेंगे। फिर जब हम राजकोट आएंगे तब कड़ी मेहनत करेंगे।

बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए प्रौद्योगिकी का निर्माण करती है, ताकि किशोरों के लिए मार्गदर्शन विकसित किया जा सके कि अगर कोई उनका यौन शोषण कर रहा है तो नियंत्रण वापस कैसे लिया जाए।

किशोरों को सेक्सटॉर्शन से बचाने की मेटा की पहल

नई दिल्ली (आईएएनएस)। लाखों किशोरों को सेक्सटॉर्शन से निपटने में मदद करने के लिए मेटा ने 'टेक इट डाउन' कार्यक्रम को कई देशों और कई भाषाओं में लाने के लिए यूएस नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रेन (एनसीएमईसी) के साथ मिलकर काम किया है। मेटा ने मंगलवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, टेक इट डाउन एक कार्यक्रम है जो किशोरों को उनकी अंतरंग इमेज पर नियंत्रण वापस लेने और लोगों को उन्हें ऑनलाइन फैलाने से रोकने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। पिछले साल यह कार्यक्रम अंग्रेजी और स्पेनिश में लॉन्च किया गया था। मेटा और एनसीएमईसी मिलकर अब इस प्लेटफॉर्म को कई देशों और कई भाषाओं में लेकर आए हैं। यह अब 25 और भाषाओं में उपलब्ध है। यह अब हिंदी, चाइनीज, फ्रेंच, जर्मन, आइसलैंडिक, पुर्तगाली, उर्दू, तागालोग, बंगाली, थाई, अरबी, डच, तमिल, तुर्की, इटैलियन, खमेर, कुर्दिश, बहासा इंडोनेशियाई, मलयालम, मराठी, सिंहली, वियतनामी और कोरियाई में उपलब्ध है। प्लेटफॉर्म को 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों की सहायता के लिए डिजाइन किया गया है जो अपनी ऑनलाइन सामग्री पोस्ट होने के बारे में चिंतित हैं। इसका उपयोग माता-पिता या भरोसेमंद वयस्कों द्वारा किसी युवा व्यक्ति की मदद लेने के लिए भी किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, जो वयस्क 18 वर्ष से कम उम्र के दौरान उनकी ली गई तस्वीरों को लेकर चिंतित हैं, वे भी इस मंच का उपयोग कर सकते हैं। टेक दिग्गज ने यह भी उल्लेख किया है कि उसने एक गैर-लाभकारी संस्था 'थॉर्न' के साथ काम किया है, जो बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए प्रौद्योगिकी का निर्माण करती है, ताकि किशोरों के लिए मार्गदर्शन विकसित किया जा सके कि अगर कोई उनका यौन शोषण कर रहा है तो नियंत्रण वापस कैसे लिया जाए। इसमें माता-पिता और शिक्षकों के लिए सलाह भी शामिल है कि अपने किशोरों या छात्रों का समर्थन कैसे करें। ये अपडेट मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग द्वारा अमेरिका में बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा पर सीनेट न्यायपालिका समिति की सुनवाई में परिवारों से माफी मांगने के बाद आए हैं।

ईशा देओल, भरत तख्तानी ने अलग होने की घोषणा की

मुंबई (भाषा)। अभिनेत्री ईशा देओल और उद्यमी भरत तख्तानी ने शादी के 11 साल बाद एक दूसरे से अलग होने की बुधवार को पुष्टि की। सोशल मीडिया पर कुछ समय से उनके अलग होने की अफवाहें आ रही थीं। दो बेटियों राध्या और मिराया के माता-पिता ईशा और भरत ने कहा कि वह 'आपसी सहमति' से अलग हो रहे है। दोनों ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया है। जिदगी के इस बदलाव में हमारे दोनों बच्चों का हित और भलाई ही हमारे लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है और रहेगा। हम इस वक्त हमारी निजता का सम्मान करने की उम्मीद करते है।' मशहूर अभिनेत्री हेमा मालिनी और अभिनेता धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल ने 29 जून 2012 को भरत से शादी की थी।

जॉन अब्राहम की फिल्म 'वेदा' से दमदार वापसी

मुंबई (आईएएनएस)। 'कल हो ना हो', 'डी-डे', 'बाटला हाउस' और अन्य फिल्मों से पहचान बनाने वाले निर्देशक-निर्माता निखिल आडवाणी ने कहा है कि आगामी फिल्म 'वेदा' में जॉन अब्राहम और शरवरी मुख्य भूमिका में होंगे। यह फिल्म समाज की वास्तविकता पर आधारित है। निखिल और जॉन के बीच यह तीसरा सहयोग है। 2019 में रिलीज हुई 'बाटला हाउस' के बाद यह उनकी अगली फिल्म है। फिल्म इस साल 12 जुलाई को रिलीज होगी। निखिल आडवाणी ने कहा कि 'वेदा' सिर्फ एक फिल्म नहीं है। यह वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है और हमारे समाज का प्रतिबिंब है। जॉन, शरवरी और अभिषेक बनर्जी के साथ काम करना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है और मुझे आखिरकार रिलीज की तारीख की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है और दर्शक उसी तरह उत्साहित हैं। 'पठान' की सफलता के बाद, जॉन अब्राहम बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं और पहली बार शरवरी के साथ नजर आएंगे। फिल्म और सहयोग के बारे में बात करते हुए जेए एंटरटेनमेंट की सह-निर्माता मीनाक्षी दास ने कहा, फिल्म एक्शन, सस्पेंस और इमोशन का अनोखा मिश्रण है और मुझे विश्वास है कि दर्शक शुरू से अंत तक अपनी सीटों से चिपके रहेंगे।

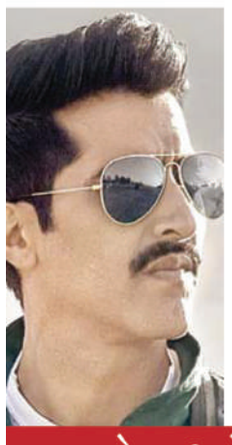

करण के साथ मेरा मजबूत रिश्ता अक्षय ओबेरॉय

मुंबई (आईएएनएस)। एक्टर अक्षय ओबेरॉय और करण सिंह ग्रोवर ने 'फाइटर' के सेट पर अपना मजबूत बॉन्ड शेयर किया। उनका दावा है कि यह न सिर्फ स्क्रीन पर है, बल्कि रियल लाइफ में भी स्ट्रांग कनेक्शन है। 'फाइटर' में अक्षय ने स्क्वाड्रन लीडर बशीर खान का किरदार निभाया है। दूसरी ओर, करण ने स्क्वाड्रन लीडर सरताज गिल का रोल निभाया। गैजेट्स और ऑटोमोबाइल में समान रुचि रखने वाले दोनों एक्टर्स को स्क्रिप्ट से परे समान आधार मिला। अक्षय ने कहा, फाइटर पर करण के साथ काम करना बेहद आनंददायक रहा। स्क्रीन पर और स्क्रीन के बाहर हमारा रिश्ता असल जिंदगी में मजबूत हो गया। सेट से एक सूत्र ने खुलासा किया, अक्षय और करण फाइटर में अविश्वसनीय ऊर्जा लाते हैं। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री और सौहार्द कहानी का अभिन्न हिस्सा हैं, जो उनके किरदारों में गहराई और प्रामाणिकता जोड़ते हैं।

सुपर 30 के आनंद कुमार को यूएई का गोल्डन वीजा

पटना (आईएएनएस)। सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार को यूएई का गोल्डन वीजा मिला है। यूएई द्वारा 2019 में पेश किया गया सम्मानित गोल्डन वीज़ा, स्वतंत्र जीवन में और अध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को दिया जाता है। विज्ञान के साथ संस्कृति और कला क्षेत्र के रचनात्मक लोगों को भी गोल्डन वीजा दिया जाता है। गोल्डन वीज़ा केवल सरकार के अधिकारियों द्वारा नामित लोगों को ही दिया जाता है। गोल्डन वीजा मिलने के बाद आनंद कुमार ने कहा कि गोल्डन वीज़ा प्राप्त करना सम्मान की बात है। मैं इसके लिए अधिकारियों का आभारी हूं। आनंद कुमार कई बार शिक्षा कार्य के निमंत्रण पर संयुक्त अरब अमीरात का दौरा कर चुके हैं। शैक्षणिक क्षेत्र से गोल्डन वीज़ा प्राप्त करने वालों की संख्या बहुत कम है, इसमें अब आनंद शामिल हो गए हैं।

'डांस दीवाने' के मंच पर 6 साल की बच्ची ने सुर्खियां बटोरीं

मुंबई (आईएएनएस)। 'डांस दीवाने' के मंच पर 6 साल की बच्ची की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। बच्ची का 'राधा' गाने पर डांस देखकर शो की जज माधुरी दीक्षित नेने और सुनील शेट्टी बेहद खुश हुए। छह वर्षीय दीपानिता बैरागी ने मंच पर अपनी ऊर्जा से मंच पर धमाल मचा दिया। कोलकाता की रहने वाली दीपानिता ने 'राधा' में अपने प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरीं। उसके जबरदस्त अभिनय ने जजों को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रेया घोषाल, उदित नारायण और विशाल-शेखर द्वारा गाया गया गाना 'राधा' 2012 के रोमांटिक ड्रामा 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से है, जिसमें आलिया भट्ट, सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन ने अभिनय किया था।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' ने पूरे किए 4000 एपिसोड

मुंबई (आईएएनएस)। एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता लोकप्रिय शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' (टीएमकेओसी) में अपने किरदार 'बबीता अय्यर' के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने शो के 4000 एपिसोड पूरे होने पर आभार जताया। यह शो पहली बार जुलाई 2008 में प्रसारित हुआ, अब अपने 16वें साल में है। यह चित्रलेखा पत्रिका में तारक मेहता के वीकली कॉलम 'दुनिया ने उंधा चश्मा' पर आधारित है। पश्चिम बंगाल की रहने वाली, 36 वर्षीय एक्ट्रेस बबीता का किरदार निभाती हैं, जो अय्यर (तनुज महाशब्दे द्वारा अभिनीत) की पत्नी है। वह जेठालाल (दिलीप जोशी द्वारा अभिनीत) की सीक्रेट क्रश हैं। शो के निर्माताओं द्वारा हासिल की गई इस उपलब्धि के मौके पर मुनमुन ने इंस्टाग्राम पर 4000 एपिसोड का जश्न मनाते हुए अन्य कलाकारों के साथ कई तस्वीरें और बिहाइंड-द-सीन के वीडियो शेयर किए।

रणबीर, आलिया और विक्की 'लव एंड वॉर' में आएंगे एक साथ नजर

मुंबई (आईएएनएस)। रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल जो संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' के लिए साथ आ रहे हैं, ने फिल्म के लिए अपने कैलेंडर ब्लॉक कर दिए हैं। 'लव एंड वॉर' के साथ, संजय लीला भंसाली दर्शकों को लव, वॉर और सिनेमाई प्रतिभा की एक नई दुनिया में ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्र ने साझा किया, यह 2025 की सबसे बड़ी फिल्म होने जा रही है। मेगा स्टार कास्ट, ग्रैंड कैनवास और जबरदस्त म्यूजिक को देखते हुए यह फिल्म न केवल अपने पैमाने के मामले में बड़ी है, बल्कि टीम के समर्पण के मामले में भी बड़ी है। पता चला है कि रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल ने फिल्म के लिए क्रिसमस 2025 तक अपने पूरे कैलेंडर ब्लॉक कर दिए हैं। फिल्म की आधिकारिक घोषणा एक टाइटल पोस्टर के साथ की गई थी, जिसमें मुख्य कलाकारों के हस्ताक्षर थे। तीनों कलाकार पहले भी एक-दूसरे के साथ काम कर चुके हैं। 'लव एंड वॉर' क्रिसमस 2025 पर रिलीज होगी।

16 फरवरी को रिलीज होगी फिल्म प्यार के बंधन

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी स्टार खेसारीलाल यादव और अभिनेत्री यामिनी सिंह की फिल्म प्यार के बंधन 16 फरवरी को रिलीज होगी। यशी फिल्म्स प्रा. लि. प्रस्तुत फिल्म प्यार के बंधन के निर्माता अभय सिन्हा और निर्देशक अनंजय रघुराज हैं। फिल्म प्यार के बंधन के लेखक अरबिंद तिवारी हैं। फिल्म के संगीतकार ओम झा, कृष्णा बेदर्दी और शुभम तिवारी हैं।

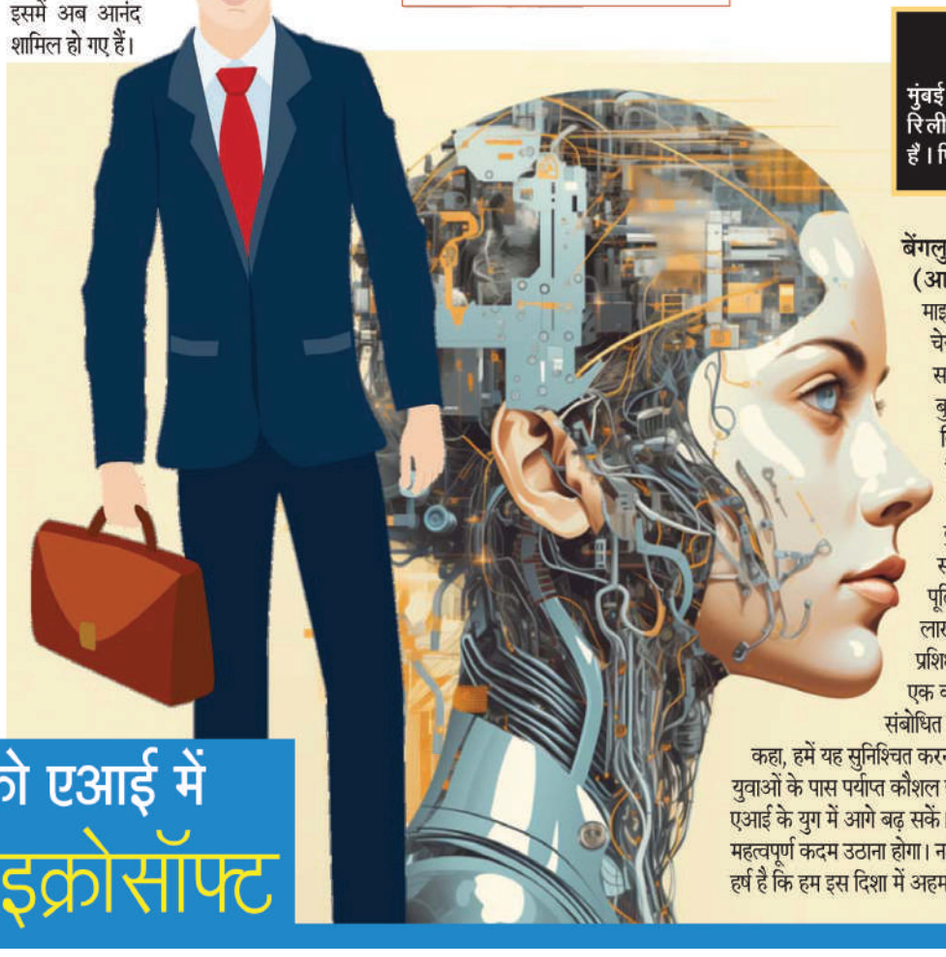

20 लाख भारतीयों को एआई में कुशल बनाएगी माइक्रोसॉफ्ट

बेंगलुरू (आईएएनएस)। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्या नडेला ने बुधवार को ऐलान किया कि कंपनी निकट भविष्य में एआई के क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन की कमी की पूर्ति करने के लिए 20 लाख भारतीय लोगों को प्रशिक्षित करेगी। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नडेला ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे युवाओं के पास पर्याप्त कौशल हो, ताकि वो इस एआई के युग में आगे बढ़ सकें। हमें इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाना होगा। नडेला ने कहा, हमें हर्ष है कि हम इस दिशा में अहम भूमिका निभा पा रहे हैं। ऐसा कर हम ना महज युवाओं के कौशल को निखारने का काम करेंगे, बल्कि इससे आगामी दिनों में नौकरियों के नए-नए द्वार भी खुलेंगे।

उन्होंने कहा, भारत में सबसे अच्छे सॉफ्टवेयर डेवलपर हैं और माइक्रोसॉफ्ट के स्वामित्व वाले डेवलपर प्लेटफॉर्म जीथब पर एक मजबूत एआई इंजीनियरिंग समुदाय है, जो अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। वहीं, ग्रामीण भारत में भी लोग अब एआई अर्थव्यवस्था में हिस्सा ले रहे हैं।

नडेला ने कहा, हमें हर्ष है कि हम इस दिशा में अहम भूमिका निभा पा रहे हैं। ऐसा कर हम ना महज युवाओं के कौशल को निखारने का काम करेंगे, बल्कि इससे आगामी दिनों में नौकरियों के नए-नए द्वार भी खुलेंगे।

नडेला ने कहा, यह भारत जैसे देश में बहुत रोमांचक है, जहां बुनियादी विज्ञान-संचालित उद्योगों में इतना अधिक निवेश और इतनी पूंजी है कि वास्तव में भारत को छलांग लगाने में मदद मिल सके। यहां तक कि वैज्ञानिक क्रांति भी बहुत रोमांचक होगी। उन्होंने कहा, एआई-प्रथम स्टार्ट-अप और दुनिया की कुछ सबसे बड़ी कंपनियों में बढ़ते उपयोग को देखते हुए, माइक्रोसॉफ्ट संपूर्ण डेटा और तकनीकी स्टैक में एआई की शक्ति को एकीकृत कर रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी दौरे के दौरान नडेला समेत अन्य बिग टेक सीईओ से मुलाकात की थी। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद नडेला की ओर से बयान भी जारी किया गया था, जिसमें कहा गया था, एक महत्वपूर्ण विषय भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति थी। भारत दुनिया में सबसे जीवंत डेवलपर और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक है और माइक्रोसॉफ्ट भारतीय प्रौद्योगिकी के विकास के लिए प्रतिबद्ध है - जो भारत और दुनियाभर के बाजारों को प्रभावित करेगा।

ज्ञानवापी केस का फैसला पूर्णतः सत्यता व पारदर्शिता पर आधारित :पूर्व जिला जज

हमारी प्राथमिकता में है राष्ट्रीय चरित्र — प्रो. आनंद कुमार त्यागी, किसी देश का नही बदलता इतिहास और भूगोल— राजर्षि गांगेय हंस विश्वामित्र, विद्यापीठ में 'काशी में ज्ञानवापी' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन

प्रखर वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के समिति कक्ष में गुरुवार को प्रबोधिनी फाउंडेशन एवं प्रबुद्धजन काशी के संयुक्त तत्वावधान में 'काशी में ज्ञानवापी' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी एवं अजय कृष्ण विश्वेश (पूर्व जिला जज)के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अजय व्यास, आशुतोष एवं रूद्र के वैदिक मंगलाचरण के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री अजय कृष्ण विश्वेश ने कहा कि ज्यूडसरी सेवा अन्य सेवाओं से भिन्न होता है। यहां जो भी कार्य होता है उसे पत्रावली के आधार पर किया जाता है, यहां हर साक्ष्य का ध्यान रखना होता है और स्वयं के विवेक का प्रयोग करना होता है। जिससे न्याय को मूर्त रूप दिया जा सके। ज्ञानवापी मामला सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जिला न्यायालय में मेरे समक्ष आया।सर्वोच्च न्यायलय का निर्देश हमारे लिए जिम्मेदारी का बोध

कराने वाला था। मैने दोनों पक्षो को पूरा सुनने के बाद साक्ष्यों के आधार पर ही कोई आदेश पारित किया। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी केस का फैसला पूर्णतः सत्यता व पारदर्शिता पर आधारित है। अपने पिता का जिक्र करते हुये कहा मेरे पिता की पूरी शिक्षा-दीक्षा बनारस में हुई। उनसे जब भी काशी की बात होती तो बड़े भावावेश में आ जाते थे। वो कहते थे यहाँ पर कंकर-कंकर में शंकर है। काशी तीनों लोकों से न्यारी है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राजर्षि गागेय हंस विश्वामित्र ने कहा राष्ट्र और राज्य दोनों एक नहीं हैं, लेकिन दोनों का सम्बन्ध शरीर और आत्मा जैसा है। हमारा सांस्कृतिक उदय जिस भूमि से हुआ वो आज हमारे पास नही है। किसी भी देश का भूगोल और इतिहास नही बदलता है। जब भारत में संविधान नही था, तब भी भारत का अस्तित्व था।उन्होंने आगे कहा हमारी सांस्कृतिक शक्ति ही भारत है इसलिए इसकी रक्षा राष्ट्र की रक्षा है। उन्होंने पूर्व जिला जज को धन्यवाद देते हुये कहा मैंने पद का सम्मान होते बहुत देखा, लेकिन आज पहली बार कद का सम्मान होते देख रहा हूँ। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने कहा हमारी संस्कृति हमारी पहली शक्ति है। आजादी के 75 साल बाद भी हम विश्व के अग्रणी देश नही बन पाए हैं। प्रारम्भ से ही हमारी प्राथमिकता सबसे पहले राष्ट्रीय चरित्र की रही है। पहले भारत विश्वगुरु अपने ज्ञान के बल पर था। हमने अपने शिक्षा पद्धति को पीछे छोड़ दिया इसलिए थोड़े पीछे रह गये लेकिन अजय कृष्ण जैसे सपूत पैदा होंगे तो निश्चय ही राष्ट्रीय चेतना पुनः स्थापित होगी। उन्होंने पूर्व जज को धन्यवाद देते हुये कहा आपने भारतीय परम्परा, संस्कृति की संरक्षक के रूप में ज्ञानवापी का निर्णय दिया जिसके लिए भारत सदैव कृतज्ञ रहेगा। अगले वक्ता के रूप में प्रदीप राय ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया की आलोचना करने की परम्परा हमारे देश में नही रही है। हमारी परम्परा समीक्षा करने की है और इसके लिए सम्मानित न्यायालय है।

इस दौरान महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के ललित कला विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुनील विश्वकर्मा जिन्होंने राम लला की मूर्ति का स्केच बनाया था। उनका सम्मान स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र देकर किया गया।विषय प्रस्तावना डॉ. नीरज सिंह ने एवं संचालन डॉ. संजय सिंह गौतम ने किया।

संक्षिप्त खबरें

नगसर हाल्ट पुलिस ने किया फौजदारी एनवीडब्लू के वारण्टी को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी जमानिया के निकट पर्यवेक्षण में गुरुवार को थानाध्यक्ष भूपेन्द्र कुमार निषाद मय हमराहियान के थाना हाजा से प्रस्थान कर देखभाल क्षेत्र व वान्छित, वारण्टी की गिरफ्तारी के क्रम में क्षेत्र भ्रमण करता हुआ ग्राम पियजुआ पहुँचा तो फौ0मु0नं0 658/23 धारा 323/504/506 भादवि बनाम कलाम अहमद पुत्र मीर मन्ना अहदम निवासी ग्राम पियजुआ थाना नगसरहाल्ट जनपद गाजीपुर अपने घर पर मौजूद मिला। जिसे हमराही कर्मचारीगण की मदद से एनवीडब्लू वारण्ट दिखाकर कारण गिरफ्तारी बताते हुए समय सुबह करीब 05.30 बजे गिरफ्तार कर थाना लाकर दाखिल किया गया। गिरफ्तारी की सूचना मौके पर उसकी पत्नी नूसरत बेगम को दिया गया। हे0मु0/का0मु0 को निर्देशित किया कि समय से अभियुक्त को सम्बन्धित न्यायालय रवाना करे । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष भूपेन्द्र कुमार निषाद थाना नगसर हाल्ट, कांस्टेबल सुरेश यादव थाना नगसर हाल्ट, कांस्टेबल सौरभ यादव थाना नगसर हाल्ट जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

अघोराचार्य बाबा कीनाराम आश्रम रामपुर- मांझा में अवधूत भगवान राम जी का भव्य अनन्य दिवस मनाया गया

प्रखर पूर्वांचल गाजीपुर। देवकली ब्लाक के रामपुर - मांझा बाबा कीनाराम आश्रम में दिनांक-08-02-2024 को परम, पूज्य अवधूत भगवान राम जी का अनन्य दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमें भंडारे के साथ क्षेत्रीय विद्यालय के बच्चों के द्वारा संस्कृत कार्यक्रम की प्रतियोगिता कराई गई प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को सिल्ड देकर सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मधु सिंह अध्यक्ष श्री सूर्यनाथ सिंह सर्वेश्वरी समूह, वरिष्ठ अधिवक्ता रणजीत सिंह संचालन रामाश्रय सिंह अधिवक्ता एवं ग्रामवासी तेज बहादुर सिंह पप्पू सिंह श्री रामआशीष सिंह रानू सिंह बलवंत सिंह सुजीत सिंह स्वदेश सिंह आदि ग्रामवासी भारी संख्या में मौजूद थे।

काशी द्वार के अधिग्रहण के विरोध में किसानों ने निकाली जनजागरण यात्रा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। काशी द्वार के विरोध में गुरुवार को किसानों ने प्रभावित गांव के किसानों के साथ जनजागरण यात्रा निकाली और अधिग्रहण के विरोध में किसानों को एकजुट किया। किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा के बैनर तले बहुतरा के ग्राम प्रधान अनिल पटेल के नेतृत्व में निकली जनजागरण यात्रा जददुपुर, चकिन्दर, बसनी होते हुए पुरारघुनाथपुर में जाकर समाप्त हुई। इस दौरान किसान सरकार के विरोध में नारेबाजी करते हुए चल रहे थे। किसानों का कहना था कि हम अपनी उपजाऊ भूमि नही देंगे। सरकार आवास विकास परिषद द्वारा प्रस्तावित अवासीय काशी द्वार योजना निरस्त करें। बताते चले कि पिंडरा क्षेत्र के 10 गांवों को मिलाकर काशी द्वार योजना के तहत एक हजार एकड़ के लगभग जमीन अधिग्रहित की जानी है। जिसके तहत किसानों को नोटिस भी जारी हो चुकी है। इस दौरान समिति के अध्यक्ष फतेहनारायन सिंह, आशीष पटेल, प्रेम नट, संतोष पटेल,ऋषिनारायन पटेल, वीरेंद्र पटेल, बृजेश पटेल, सुरेंद्र, जगदीश, हरिलाल, मायाशंकर, गुड्डू पटेल समेत अनेक किसान रहे।

मोहम्मद ताहिर बने युवा कांग्रेस आउटरीच सेल प्रदेश सचिव

प्रखर जौनपुर। कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक विभाग के महासचिव मोहम्मद ताहिर को भारतीय युवा कांग्रेस आउटरीच सेल का उत्तर प्रदेश का प्रदेश सचिव बनाया गया है। इसकी घोषणा भारतीय युवा कांग्रेस आउटरीच सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चांडी ओमन, उत्तर प्रदेश इंचार्ज मोहम्मद अब्दुर्रहमान एवं भारतीय युवा कांग्रेस आउटरीच सेल के उत्तर प्रदेश चेयरमैन मोहम्मद आदिल ने संयुक्त रूप से की है। मोहम्मद ताहिर ने एक जिला कार्यकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता की हैसियत से राजनीति में कदम रखा था वर्तमान में ताहिर कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक विभाग के महासचिव पद पर हैं। मोहम्मद ताहिर ने कहा कि पार्टी ने जो दायित्व दिया है उसे पूरी ईमानदारी और निष्ठा से पार्टी के लिये काम करूंगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक नदीम जावेद,कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश सचिव मौलाना अनवार अहमद कासमी,जिलाध्यक्ष फैसल हसन तबरेज,मोहम्मद आरिफ खान,शाहनवाज मंजूर,विशाल सिंह हुकुम,मोहम्मद आजम खान,तौकीर खान,होजैफा खान ने बधाई दी है।

जलसा ए मेराजुन्नबी सल्लल्लाहू अलैही वसल्लम का हुआ आयोजन

प्रखर जौनपुर। नगर के मोहल्ला सुतहट्टी बाजार में औलिया सीरत कमेटी के तत्वावधान में जश्न ए मेराजुन्नबी सल्लल्लाहू अलैही वसल्लम एवं कौमी यकजहती जलसा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता औलिया सीरत कमेटी के संरक्षक अनवारुल हक गुड्डू ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में निखिलेश सिंह संरक्षक श्री दुर्गा पूजा महासमिति एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर मरकजी सीरत कमेटी के अध्यक्ष शौकत अली मुन्ना राजा उपस्थित रहे। जलसे की शुरूआत मोहम्मद मेराज ने तिलावत ए कुरआन से किया नात ए नबी मोहम्मद दानिश अंसारी ने पेश किया जश्न ए मेराजुन्नबी को खेताब करते हुए मौलाना सलमान कासमी बलियावी ने कहा कि शब ए मेराज में अल्लाह ने अपने नबी हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहू अलैही वसल्लम को आसमान पर बुलाकर नमाज तोहफा के तौर पर दिया जो बन्दे को अल्लाह से करीब करने का एक माध्यम है नमाज अहम इबादत है इसलिये मुसलमानों को चाहिए कि

नमाज की पाबंदी करें। निखिलेश सिंह ने कहा कि शीराज ए हिन्द जौनपुर की पावन धरती ऐतिहासिक होने के साथ साथ गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल भी पेश करती है जहाँ हिन्दू मुस्लिम आपस में मिलकर रहते हैं और एक दूसरे के कार्यक्रमों में सम्मिलित होते हैं। अनवारुल हक गुड्डू ने बताया कि जौनपुर में जश्न ए मेराजुन्नबी का कार्यक्रम पिछले 110 सालों से मनाया जाता रहा है जिसमें शहर की अंजुमन और फन ए सिपहगरी के अखाड़े शिरकत करके अपने फन का मुजाहिरा करते हैं और ये जुलूस औलिया मस्जिद से उठकर शाही अटाला मस्जिद पहुंचकर सम्पन्न हो जाता है। इस अवसर पर डॉ जावेद अहमद पप्पू,फिरोज अहमद पप्पू, हफीज शाह,सरताज सिद्दीकी, लाल मोहम्मद राईनी, शहजादे अंसारी,मनोज मौर्या,डॉ अर्शी नवाज,राजा नवाब,अंसार इदरीसी, नेयाज ताहिर शेखू,अजीम जौनपुरी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। संचालन कमालुद्दीन अंसारी ने किया अंत में औलिया सीरत कमेटी के महासचिव मोहम्मद तबरेज ने समस्त लोगों का आभार व्यक्त किया।

विकास खण्ड विरनो में क्षेत्र पंचायत व ग्राम प्रधान समिति की बैठक संपन्न, विकास कार्यों पर हुआ मंथन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्थानीय ब्लॉक सभागार में गुरुवार को क्षेत्र पंचायत व ग्राम प्रधान समिति की बैठक ब्लाक प्रमुख राजन सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस दौरान ब्लाक प्रमुख, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य सहित अन्य अधिकारियों ने क्षेत्र के विकास कार्यों पर मंथन किया गया। इस मौके पर प्रभारी खण्ड विकास अधिकारी राजेश यादव ने पिछले वित्तीय वर्ष में ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत द्वारा कराए गए कार्यों को पटल पर रखा। बताया गया कि गांव में नाली, इंटरलॉकिंग, आरसीसी, पौधारोपण के माध्यम से गांव में नई क्रांति आई है। वहीं क्षेत्र में पंचायत के अवरुद्ध विकास कार्यों को सफल कराए जाने का निर्णय लिया गया। वृद्धा पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, दिव्यांग पेंशन, 15वां वित्त एवं राज्य वित्त योजनाओं पर विचार किया गया। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख राजन सिंह ने कहा कि सभी ग्राम पंचायत क्षेत्र के बीडीसी सदस्यों से विकास कार्यों के प्रस्ताव मांगे गए हैं। उन्होंने सभी ग्राम प्रधानों तथा क्षेत्र

पंचायत सदस्यों से निस्वार्थ भाव से कार्य करने तथा ग्रामीण क्षेत्र में विकास करने की बात कही। उन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। जब तक अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ नहीं पहुंचेगा तो सरकार की मंशा पूरी नहीं होगी। कार्यक्रम का संचालन कर रहे सचिंद्रनाथ उर्फ लल्लन सिंह ने कहा कि कुल 145 प्रस्ताव मिले हैं। ब्लॉक क्षेत्र में कमेटी बनाकर विकास कार्यों को कराया जाएगा। इस मौके पर देवेंद्र यादव उर्फ मटरू जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि, विनोद गुप्ता ग्राम प्रधान, राजेंद्र यादव, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ गुरुदेव मौर्य, सुभाष गुप्ता पूर्व प्रमुख, अभिमन्यु सिंह, अजीत सिंह ,प्रमोद सिंह, रोहित यादव, अशोक कुशवाहा, धनंजय प्रजापति ,चंद्रभान राजभर, शैलेंद्र कुशवाहा, विनोद पटेल ,भीष्म सिंह, आनंद कुमार सिंह, रानी विश्वकर्मा, दीपक गौड़, रामचरन यादव, आदि क्षेत्र पंचायत व ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

दौलत भी ले लो ये शोहरत भी लो... गजल सम्राट पद्म विभूषण जगजीत सिंह की मनाई गई जयंती

प्रखर कसया, कुशीनगर। नगर के दीनदयाल उपाध्याय नगर स्थित डी डी मंत्रा नृत्य एवं संगीत विद्यालय में गजल सम्राट पद्म विभूषण जगजीत सिंह की जयंती समारोह पूर्वक मनायी गयी। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में सरस्वती वंदना व स्वागत गीत गीता प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात अनुराग ने 'तुमको देखा तो ये ख्याल आया' गाया जो लोगो को काफी अच्छा लगा। प्रियंका ने 'चिट्ठी न कोई संदेश जाने वह कौन सा देश' को सराहना मिली। गीता वर्मा ने गाया 'आपको देखकर देखता रह गया'। करण लाल यादव ने गाया ये दौलत भी ले लो ये शोहरत भी लो। अमित श्रीवास्तव ने गाया कल चौदवी की चाँद थी अच्छा रहा। अनिल ने गाया 'झुकी झुकी सी नजर गाया'। अमरजीत ने गाया प्यार का पहला खत लिखने में वक्त तो लगता है। अभिषेक ने गाया तेरे आने की जब खबर महके गाया माहौल बदला। अन्य बच्चों ने भी कार्यक्रम में अपनी गायकी से सबको मंत्र मुग्ध किया। संस्था के निदेशक कृष्णानंद त्रिपाठी ने कहा कि स्वर्गीय जगजीत सिंह के गजल मन को शांति और सुकून प्रदान करने वाले हैं उनके गीत हमेशा भारतीय संगीत की दुनिया में याद किया जाएगा और उनके गीत अमर हैं आज भी वह जिंदा है लोगों के दिलों में और हमेशा जीवित रहेंगे। संस्था हमेशा अनवरत आगे भी और अच्छे कार्यक्रम करती रहेगी। मुख्यअतिथि प्रसाद सुरेश गुप्त ने कहा की ऐसे कार्य क्रम समाज को प्रेरणा देते है। अध्यक्षीय उद्बोधन में देवी शरण त्रिपाठी ने सभी

के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जगजीत जी का जीवन सच्चे साधक का जीवन है उन्होंने तमाम अमर गीत गाये है। कार्यक्रम में नवश्री, कुंज, दीपक राय, नीतू निषाद, प्रियंका, देवेंद्र पांडे दर्श त्रिपाठी खुशी, संतोष पांडे, ईशा संतोष शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

जनपद के विकास कार्यों का मास्टर प्लान के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात करने जनपद के तीनों विधायक ने की मुलाकात

प्रखर संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के विकास के लिए आज प्रातः उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज से 5-कालीदास मार्ग लखनऊ स्थित उनके सरकारी आवास पर बस्ती मण्डल के समस्त विधायक गणों और मा०विधान परिषद गणों के साथ शिष्टाचारपूर्ण भेंटकर उनका स्नेहिल मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। उक्त शिष्टाचार भेंट के अनुक्रम में मुख्यमंत्री से अपने विधानसभा क्षेत्र-मेंहदावल के विभिन्न विभागों के विकासात्मक विषयों को उनके संज्ञान लाकर,योजनाओं के संस्तुति हेतु निवेदन और चर्चा किया। विधानसभा मेंहदावल में सुलभ आवागमन के दृष्टिगत अन्य जिला मार्गो के चौड़ीकरण एवं सुन्दरीकरण के सम्बन्ध में। राजेडीहा,बौरव्यास हरैया मुसहरा होते हुये BMCT किमी०46 तक। ल०-19.50 किमी०,बघौली बंजरिया से पिपरा बोरिंग मार्ग,ल०-11 किमी०। लोहरौली से जंगल दशहर,ल०-11.50किमी०। BMCT भीटिया

होते हुए भगौसा,ल०-10किमी०। पिपरा मनैतापुर से पवरिया करमहिया होते हुए घोसियारी,ल०-10 किमी०। करैली चौराहे से बेदौली बढ़या रक्साकोल होते हुए बौरव्यास सम्पर्क मार्ग,ल०-10किमी० विधानसभा मेंहदावल में युवाओं के खेल प्रोत्साहन हेतु स्टेडियम के निर्माण के सम्बन्ध में। विधानसभा मेंहदावल के ग्राम-बेलौली में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण के सम्बन्ध में। बखिरा झील के तट पर वेटलैंड घोषित 17 ग्रामों के क्रय-विक्रय प्रतिबन्धित निजी स्वामित्य के भूमि को सरकार द्वारा अधिग्रहित और मुवावजा दिलाने के सम्बन्ध में। मेंहदावल और सहजनवा विधानसभा में चोरमा रेगुलेटर का गेट वषाकाल में बन्द कर दिए जाने कारण हजारों एक-ड़ कृषि योग्य भूमि को बाढ़ की त्रासदी से निजात दिलाने हेतु चोरमा रेगुलेटर के समीप पम्प हाउस के स्वीकृत के सम्बन्ध में। विकास खण्ड-मेंहदावल के ग्राम-बेलौली में राप्ती नदी से आने वाली बाढ़ से बचाने हेतु गांव से सटे राप्ती तट पर 400 मी०लम्बाई में पक्का घाट निर्माण के सम्बन्ध में। उपरोक्त विषयों को अपने संज्ञान में लेकर सम्बंधित को निर्देशित करने और बहुमूल्य समयादान हेतु मा० मुख्यमंत्री जी को हृदयतल से साधुवाद, धन्यवाद। मुलाकात के दौरान सदर विधायक अंकुर राज तिवारी, मेहदावल के लोकप्रिय विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी, धनघटा के विधायक गणेश चौहान के साथ अन्य सभी लोग माजूद रहे।

श्रीअन्न पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला जयश्री बाग पर सम्पन्न

मोटे आनाजों की खेती से किसानों की होगी मोटी आमदनी

प्रखर दानगंज वाराणसी। मोटे अनाज की खेती से किसानों की उत्पादन लागत घटेगी और आमदनी बढ़ेगी जिससे किसान आर्थिक रूप से भी सामर्थ्यवान हो सकेंगे।उक्त बातें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक डा.सुनील गोयल ने बुधवार को बबियांव गांव में श्रीअन्न पर आधारित दो दिवसीय मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यशाला के समापन अवसर किसानों के बीच कही। कृषि विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में किसानों को सम्बोधित करते हुए डा.गोयल ने कहा कि श्रीअन्न (मोटे अनाज) औषधीय गुणों की खान हैं और मोटे अनाजों के प्रयोग से किसानों की न सिर्फ मोटी आमदनी होगी बल्कि उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा भी हो सकेगी। कृषि विज्ञान केंद्र कल्लीपुर के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. पीयूष राणा ने किसानों को मोटे अनाज की खेती की नवीनतम तकनीकों के साथ ही मोटे अनाज की उपयोगिता, मार्केटिंग, पैकेजिंग पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने मोटे अनाजों को औषधीय गुणों की खान बताते हुए कहा कि गेहूं व चावल की अपेक्षा मोटे अनाजों में कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन,फोलिक एसिड एवं फाइबर अधिक मात्रा में उपलब्ध होता है जो हमें विभिन्न प्रकार के रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष ललितेश सिंह ने किसानों से मोटे आनाजों की खेती को बढ़ावा देने की अपील की। जनपद के उप कृषि निदेशक अखिलेश कुमार सिंह के निदेर्शानुसार मिलेट्स कार्यशाला में किसान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया गया जो किसानों के आकर्षण व जागरूकता का केंद्र रहा। इस दौरान उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी निरूपमा सिंह, नमामि गंगे योजना के प्रोजेक्ट हेड स्वामी शरण कुशवाहा, बीटीएम देवमणि त्रिपाठी, अनिल सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर प्रवीण नागर, सौरभ रघुवंशी, फौजदार यादव, फूलचंद विश्वकर्मा, मुकेश मौर्या, वृजेंद्र जंगा, कौशल कुमार, रवि सिंह, बृजेश सिंह, वीरेंद्र यादव सहित भारी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन देवमणि त्रिपाठी ने किया।

आईटीआई कालेज में आयोजित कैम्पस सेलेक्शन में 32 छात्रों का हुआ चयन

प्रखर कसया, कुशीनगर। नगर स्थित गौतम बुद्ध आईटीआई कालेज के परिसर में अडानी ग्रुप मुंद्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड गुजरात द्वारा कैंपस सलेक्शन का आयोजन कर 32

बच्चों का साक्षात्कार लेकर सलेक्शन किया गया। गुरुवार को अडानी ग्रुप मुंद्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड गुजरात के कंपनी अधिकारी वीर प्रताप सिंह व स्टाफ ने कुल पंजीकृत 48 छात्रों का साक्षात्कार लिया। जिनमें 32 छात्रों का सेलेक्शन किया गया। चयनित छात्रों को प्रमाणपत्र वितरित करते हुए आईटीआई कालेज के प्रबन्धक बीके शुक्ला ने कहा कि अपने कौशल विकास, दक्षता से व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में सफल होता है। अपने कर्मों व कुशल व्यहार से व्यक्ति हमेशा तरक्की करता है। इसलिए हँसमुख, मृदुभाषी व मिलनसार बनें। ये मेरी शुभ कामना है। इस दौरान प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार यादव स्टाफ शिवम पांडेय, नन्हें, रघुबीर, अंजली चौरसिया उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं